16699

[illegible]-पदावली

श्री पं० उमापति जी

साकेत
गोरखपुर
डा. भगवती प्रसाद सिंह एम. ए. डी. लिट्
निजी पुस्तकालय
महर्षि वाल्मीकि शोध संस्थान
16699

गावत गीत पुनीत रीतको वाज वाज सउमागरी। हास विलास आशवहु होते शुनि मुनि मानस पागरी ॥ ॥ २ ॥ सुर किन्नर नर आशिष भाषत अद्भुत लषि निज भागरी। मानत सान तरस यह हिय वश असनहिं शुनि कोउ यागरी ॥ ३ ॥ राजा रानि पुन्य परिनाम एधन्यमानि वड भागरी। कोविद् कवि रवि वंश तिलक छवि छकित ताहि नित पागरी ॥ ४ ॥

॥ सि० धु० ॥

रघुवर फागुन किय मनु शावन भवहुँ मनोगव भावन। लाल गुलाल बिशाल उडे अडे भानु भानुहि छपावन। दंमकली पिचकारि भली चले जनु घनु झरिलावन ॥ १ ॥ वजहिं मृदंग उमंग किए झमके अबला करें गावन। घमके मेघ मनो चमके चपला चय चारु चवावन ॥ २ ॥ रंग पनार अगारन तें गिरें घनी कनी चमकावन। अचल चले नदी नार वार मनु इंद्र वधू क्षिति छावन ॥ ३ ॥ दरवाजें वागें दारादिक दादुर दरिहि दवावन। ऐसी भाँति राति दिन आनंद कोविद मुद उप जावन ॥ ४ ॥

रघुवर धन्य कियो यह फागन। विवुध वधू ललचाति राति दिन हरषि निरषि तव फागन ॥ १ ॥ भूसन

वसन विचित्र चित्र नारी नर रंजित रागन। वन प्रमोद वीथिन विहरें धरें रूपन रागिनि रागन ॥ २ ॥ वजत मृदंग उमंग किएँ गावें सव आंगन आंगन । भीर गभीर तीर सवके सवके जुरें आंगन आंगन ॥ ३ ॥ पर ब्रह्म परब्रह्म पर वेद भेद कहु भागन । कोविद कवि रवि वंश तिलक सोइ पायो भागन भागन ॥ ४ ॥

श्री राज भवन मो खेलें हो होरी। यक ओर राजकुमार वार लिय यक ओर राज किशोरी ॥ ध्रु० ॥ कनक सुकलश सरस केशरि रंग अतर गुलाव भरोरी। तासमु केश गुलाल लाल लैडारत खोरी खोरी। लहाछेह गति लेत ̵ह युत योग्य योग्य युग जोरी ॥ २ ॥ गर पर कर धरि गावत अतिशय फाग राग अभि वोरी । क मल सनाल लिएँ दामिनि घनु मनु गुंजे ललि तोरी ॥ ३ ॥ नारदादि मति मुग्ध भई लखि अति विदग्ध गति गोरी। कोविद कवि छवि किमि वरने मन अगम सवमति थोरी ॥ ४ ॥

॥ खमाइचि ॥

खेलें फविकें फागरी फाग । लाल लली लैवागरी वाग ॥ ध्रु० ॥ वनत वनोत मढे तरुतर शिर चढि गावें पिकराग। मानो लालगुलाल भरे वर वुक्का सहित दि-

माग। संत वसंत अनंत किए छवि कवि वनि वरनत भा-
गरी भाग ॥ १ ॥ वनिता वनि वनि रंगि रंगन तें नि
करीं जनु जित आग। गावति भावति भाव वतावति
अजर करति प्रितिताग। मनहु सुधा घरे वसुधा विच
शुनि मुनि मानस पागरी पाग ॥ २ ॥ राज कुमार मा
र छवि जयकर वारलिए करि लाग। पिचकारी मारी
दै गारी रसकी वशकी याग। करधरि गति अति लेत
मनहुं युग विहरत अद्भुत नागरी नाग ॥ ३ ॥ अवध
अनवधि सकल सुख यहि बिधि बरसत नित बिनदा
ग। कोविद कवि छवि किमिबरने कलि कलुख ग्रसित
मति लाग। धनि धनि जिन वरने गुन हरिके यति व-
लिक अरु कागरि काग ॥ ४ ॥

॥ चौताला ॥

होरी हो खेलत अलि लाल लली भली भांति श्री
प्रमोद कुंजगली गली मंजुगीते सखा सखी सुखद-
जंग रंग गंग द्रुत तरंग डुवति रति अनंग राजि रा-
जित जनु जीते ॥ १ ॥ साजि साज वाज वाज वाज
मेघ राजि लाज। अज समाज निरषि ज्ञने धन्
न्य धीते ॥ भयो नहीं भावि फाबि फागुन गुन आज
खावि। रहो सोइसौख्य पाइ कोविद गुरुमीते ॥ २ ॥ आ

योहै वसंत नाद्य नायक यक संत कंत अंतही अनंत कलातेरे लगि कीते ललित लता तरुन भेव उपदेवी उपदेव वात गोत कंपित वरनृत्य करै ईते ॥ १ ॥ अलिकुल कल कंठ गुंज मंजु गानसह विधान । तानको वितान वोल भेद एनत्रीने ॥ चल दल दल पर निलेत चेतन मन हरनि वरनि कोविद कवि किंशुकादि कुसुम अविरपीने ॥ २ ॥ * ॥ *

॥ यति ॥

खेलै लाल हो होरी वनिता लै साथ । नरिकिन्नरिसुरि वनि वनि आई गई यती सति कतिलाथ ॥ सिय सासन वाबुन धरि धरि कर अन्हवा ईके शरि रंग सरिपाथ ॥ १ ॥ लास्य हास्य सवही वश कारी तारी दै दै लै लै हाथ । कोविद मोद विनोद महा लहि कहि कहाँ जैहो हो रस नाथ ॥ २ ॥

खेले फाग हो फागे लागे करिगान लाल लली वहु वाल अली लैधूम मचावति आवत सांन । रंग वरसावत भावत धावत धुनि शुनि मुनि सुर तजि तजि थान ॥ १ ॥ अद्भुत होरी जोरी मिलि मिलि इनवालन किन अजब जहान । कोविद मुद लहि कहि बिधि हरि हर । राज रानि धनिपुन्य विधान ॥ २ ॥

सिया खेलति पिया संग फवि के फाग । मंगल गावहि मधुरराग ॥ ध्रु ॥ अनुज पराग पराग सम महि वगरे सगरे अदाग जनु रितुराज समाज कियो छवि खेलन फरस बनात लाग ॥ १ ॥ उमगे रंग तरंग सरित सम भरिगे डगर गेहवत काग । कोबिद कवि छवि- निरखि अलौकिक जगत सराहत सुकृत्त जाग ॥ २ ॥

सिय पिय संग विहरति वन प्रमोद । हरति सजन निज जनक गोद । वरसत रंग फुहार हजारन होत अवनित लभलके ओद । अद्भुत गान तान शुनि मुनि सुर करिन शकत मत तनिक छोद ॥ १ ॥ हाव भाव अरु दाव दवर छवि छाव अवर वरलषि विनोद । कोविद कवि प्रसाद रवि कुलमनि मागि लिओ मागो स्वगोद ॥ २ ॥ * ॥ *

सखिआ जारे सिया के पास । मेरे वचन करै विस्वास ॥ फागुन विमल वहार मार हित । भीरकरें विहरें सोल्लास ॥ १ ॥ साजि समाज राजि रंगनको आज आवे रंगन करे लाज । कोविद कवि वैसी कीनी सिया । जस इछो हरि की भरिमास ॥ २ ॥

जनक लली अरु दशरथ लाल डारत सब पर लाल गुलाल ॥ होरी गावत जोरी मिलि मिलि । काल

उचित वाला वर वाल ॥ १ ॥ साजे मिलि वाजें वहु वाजें साजे सुख सुअवाजे सताल । कह कोविद मुद माल सुमिरि वह धन्य काल धनि वह जत भाल ॥२॥

बन पमोद गलिआं अलि खेलत दशरथ सुत सिआ वनि के अंग अंग राजित दुति अद्भुत भूषन भूषन मनिके ॥ १ ॥ गावत राग दिमाग किए अति हंफल गावत हनिके । कोविद कवि छवि सुमिरि सुमिरि कह होरी जोरी धुनि के ॥ २ ॥ *

लाल लली अली साथ गाथ करिहाथ धरि करि होरी ॥ धु० ॥ नेह भरे गति लहाछेह लहि आनंद गेह भरोरी ॥ १ ॥ गान करत सह तान शान युतरंग दान वर जोरी । ह हा कार संसार सार करकहि कोविद सुर गोरी ॥ २ ॥ * ॥ *

लाल लली खेले गलिआं । अलिआँ दवरो रे भूषन वसन सजो अनुकूल अतूल फूल लै हलिआं ॥ १॥ अलिआ केशरि रग घँभीर अवीर सुनीर धार नदि चलिआ । ताविच सखा सखी विहरे जनु पूलिरही कंज कलिआं ॥ २ ॥ भृकुटि कटाक्षल क्षमुद्राको दक्ष घु घुट पट ढलिआँ । अपने चोट ओट कीनी सखि अवर दवर दलिआं ॥ ३ ॥ कतनो पिचकारी मारी ह-

रि तीन तनिक टलिआं । कोविद कवि छवि निरखि निरख हरखे सवको वलिआँ ॥ ४ ॥ * ॥

एचल खेलन होरी खेलत राजकुमार । मोद विनोद प्रमोद डगर वगरे सगरे हिय हार ॥ १ ॥ जवते कानन आनि लगेमन सिज शर डंफ धुकार । तवते कान नहो तन आनन आनन भावत भार ॥ २ ॥ अतर गुलाव अरगजा केशरि अविर लेहुभरि थार । अद्भुत करि शृंगार मार वश कर रस कर सुरदार ॥ ३ ॥ अति विदग्ध मुग्धा गति लषि लषि मुग्धभई मति मार । धनि धनि रस शृंगार यारकहु कोविद मुद आधार ॥ ४ ॥ * ॥ * ॥

वाल चल हालहिं देखन खेलत दशरथ लाल । अमित जगत हित महित महाजन उड़त लाल गुलाल ॥ ॥ १ ॥ रंग फुहार धुकार मृदंगन अवला चंचल चाल । हरषित निरखि कुसुम सुर वर्षं वरषा वरषु अकाल ॥ २ ॥ रंग विरंग रंग रंगित गन गावत रंगसताल । मानस मनु अद्भुत जन्तु गुंजत पुंजित मंजु मराल ॥ ३ ॥ होली कल्प बेलि वगरी सगरी महि अवध सुधाल । कोविद मुद मंगल मंजुल फल फलु वलु पुख हरसाल ॥ ४ ॥ * ॥ *

निरखत राज रानि वरहोरी । खेलत राज किशोर किशोरी । धामी राम परम पुष्कर रंग ज्वरे अछय दुहुओरी । दंमकला पिचकारि मारि मधु गारि प्रकट अरुचेरी ॥ १ ॥ मार शृंगार रमो रति मद हर सखा सखी जुकरोरी । लाल गुलाल मली मुख सुख करसुधि नहि काहुदरोरी ॥ २ ॥ निज निज दुह व्यूह करि नाना रंग जंग सुमचोरी । होरि होरि ह ह कार प्यार सुनि थक्ति दिनेसर थोरी ॥ ३ ॥ राजा रानि सुरेश सुरी वर अहो कहो न लषोरी । वूह दूह अनुरंग जंग अ सगारि प्यारि कहु थोरी ॥ ४ ॥ कहुं सखि सखा सखा सखि धरि करि फाग माँग हँसिछोरी । पुनि पुनि वहि संग्राम ग्राम सुख दिव्य धाम धनुखोरी ॥५॥ श्री गुरु सगृहस लाग फाग सुनिआए निरखि हँसोरी । राज रानि पग पकरि उचासन आसिन करि सोकहोरी ॥ ६ ॥ फाग सराहि सराहि भाग नृप श्रम लषिजाय गहोरी । करि प्रनाम कछु सकुच सहित दोउ गुरु सम कहि जय मोरी ॥ ७ ॥ हँसि गुरु दुइ सराहि श्रमहि हरि दया दृशा सवकोरी । नृपकुमार सवनृपति सहित गुरु नहवाए लैगोरी ॥ ८ ॥ अरु अरूं धती मात मात सव नृप नंदिनि संग लोरी । जाय नहान गेह

गुरु जन दोउ निज पट नयन सुधोरी ॥ ९ ॥ निज क
र वार झार करवाए उवटन पुनि स्वह थोरी । मलि
मलि नहवाए सुख पाए पहिराए पट जोरी ॥ १० ॥
गुन कर मधुर पवाय निजहि कर करि शृंगार ललिजो-
री । कोविद गुरुहि विदा करि गृह गे धनि सुम सुर
वरसोरी ॥ ११ ॥ * ॥ *

कैसी करी ऐसी होरी ऐमोरे अंग अंग करके ।
अंक मोलिका करिकर पकरी रोरी मली वरजोरी रे
मोरे कंचुक दर के ॥ १ ॥ वरजी तरजी लरजी दे दै मै
नघाट न घरके केशरि रंग वोरो होरी कहि लाल गु
लाल भरोरी मोरे श्वासन शरके ॥ २ ॥ आजु भोरही
तें लागे मोरे दक्षिन नयन जुफरके ताको फल पाई
माई मै आई इत कित दोरीरे मोरे सब हित हरके॥ ३ ॥
कोविद मोद विनोद रहातहां कहां झगरा विनजरके
। कोउ सुने नहि कोउ गुने नहि राजकुँअर कीजारीरे
मैतो जी आज मरके ॥ ४ ॥

॥ पूर्वी ॥

मोरी तोरी वारी सनेहिआ पिअऊ विहरो विहरो
हो । वाल या मोला या आलस वस मति सिहरो हो
॥ १ ॥ पिअऊ० ॥ सरजू तीर कुटीर कुँजरिजु निर-

षो सुघरो हा । कोविद नवल वहारि निहारि नवल मन उघरो हो ॥ २ ॥

नवल वहारि निहारि होइ रही होरी होरी हो । रसिक शिरोमणि पिय मति कस आलस रस वोरी हो ॥ १ ॥ हँसि विहरो हरो पीर अवीर गुलाल लाय अरु रोरी हो । कोविद नाहितो नाह वांह धरि ऐंचो जोरी हो ॥ २ ॥

कोविद भेद वन प्रमोद की गलिआं । होलिआ खेलो हो वलभा ॥ रंग तयार अपार किए अरजी करती अलिआं । वेलि अनेकन वेलि मनो तोहि हँसे मिसें कलिआं ॥ १ ॥ कमर कसी सुख बरसी लालन मुख रोरिआ मलिआं । रंग जंग सउमंग दुहूँ दिश कोविद करु वलिआं ॥ २ ॥

भेद० आरि होरिआ की सरस सव हरि आ पिअधुने कुनही अलसाउ । रंगत आर अपार दुहूं दिश जंग मचाऊ ओगाउ । भला पोच कछु शोच नही तोहि जोचाहो सोमगोउ ॥ १ ॥ पिअऊ । गुरजन पुरजन परिजन सव अनुकूल मूलले मनाउ । कोविद मोद विनोद तीर ईतू विहरो मुसकाऊ ॥ २ ॥ *

श्री गुरु सदन विहारी खेले होरिआं हो भारी ॥

॥ ध्रु० ॥ इसंग बंधु सुहृद दासादिक रंग भरत पिच-
कारी उत सखिआ मुखिआ लषु लालिमन भक्तिय रा-
ज कुमारी ॥ १ ॥ पीत अपीत गुलाल थाल सत बर-
सत बत एकवारी । जगत जाल यह ख्याल व्याकुलित
जय जय सबही पुकारी ॥ २ ॥ गान तान नाना बि-
ध धाहिनि गुनि गन गाउ सुधारी । बाज साज साजे
अजाय वे मोहन गोहन नारी ॥ ३ ॥ लषि लीला अ-
द्भुत शीला सुर बरसत सुममंदारी । कोबिद कवि छबि
रवि वंशी की अतिहि प्रशंसी सारी ॥ ४ ॥

॥ धानीभेद ॥ पूर्वी ॥

ए बदनमे मेलो मति रोरिआ । बैरि परसोनि हास क
रेगी लावनी अति खोरिआ ॥ १ ॥ रस बश बात क-
रो दूरहितें निरखहु दुहु ओरिआ । कोबिद चारु चा-
तुरी कीजे कान्ति सहित होरिआ ॥ २ ॥ *

ए होरी अबा खेलो हो सइआं । रंगत यार किए
मन जोहति हँसि रस बश गोइआं ॥ १ ॥ नवल ब-
हारि पिआरि आइ पिआ लसकृति गइआं । कोबिद
कमर कसोह सोबिह रोतु रित परों पइआं ॥ २ ॥

ए फगुनवा आइल ए गोइआ० । प्रीतम सबजाने
अलसाने उन मन कही गइआं ॥ १ ॥ अरज करो त्रि

हरो हरो यह दुख सुरूख हो वौसइआं । कोविद मोद विनोद होवे वाजा उपरो पइआं ॥ २ ॥ *

ए फागुन गुन गावो हो गारी । अलसाई साइ तजि विहरो सिहरो मति वारी ॥ १ ॥ नवल वहारि निहारि सखी वर वयाकुल हैं सारी । कोविद मोद दीजिए सव जन केलि करोप्यारी ॥ २ ॥

॥ पुनः पूर्व पूर्वी ॥

लैलन फागुन लहरोहो आलस तजि विहरो । सव सखिआ सुखिआ ललचानि नवल नित चितहि हरो । करि तयारि निजजय पुकारि लषि आनंद क्षिति छहरो ॥१॥ रावर केलि कलाप छापजग चाहत सवसहरो। कोविद मुद अद्भुत देहु प्रीतम नेकुन मन थहरो ॥ २ ॥

मोसो नाहक करि वर जोरा । लालन होरी खेली हो मै कोउहेत अकेलि गली चली धरि करि करहि मरोरी ॥ १ ॥ वरज तरज एकोनहि मान्यो मान्यो मुखरोरी । कोविद कवि यह होरि नहीहै यह है भोरा भोरी ॥ २ ॥ * ॥ * ॥ * ॥

॥ भेद ॥ खेमटा ॥

सुखमास फागुन वा । आई गैलो रे पिया मृगया गए आए सजनी भई दशामम मृगील गुनवा ॥ १॥

घरी पलक्षन युग वरिस सरिस सखि। कोविद मुद लगि करहु शगुन वा॥ २॥ * ॥

होरिआं की वहरिआ वीती जाती रे। रयन अयन कहुं जातन जाने भोजन विन आनदेही अघाती॥ १॥ रसिक शिरोमनि प्रिय आलसतजु रजुयह सुख सखिआ पछताती। कोविद कवि रवि वंशतिलकतोहि सवजन वश रस सव सव भांती॥ २॥ *

॥ वरवा॥ खेमटापूर्वभेद॥

प्रीतम तोसे मागन मागो। होरी की आई वहार आलस त्यागि विहार करो नित रयन शयन तजि जागो॥ १॥ अलिआं वलिआं करति पकरि करा इत उत मित सहवागो। कोविद राज कुमार कहावत रंग जंग जनि भागो॥ २॥ * ।

प्रीतम तुम काहे न विहरो नवल वहारि निहारि। आम्र मंजरी पिंजरि गुंजत मंजु मधुपनहि सिहरो। कंत कुंत मुख सरस मधुक शुक निरखि विरहि हिय चिहरो॥ १॥ होरि तयारि रचो मचो धूम सवहि घर घर अरुहरो। कोविद मुद दीजे लीजे यश तव सुख चाहत सहरो॥ २॥

॥ खेमटा। दादरा॥ कहरा॥

मगाइदे वालमा फगुआरे । जो नहि तुरित मगैहो पिया फगुआ तव तोहि अलिआवनैहै ठगुआरे । पृ वा बुन बाँधि साधि लैहै अलि जो तुम व्हैहो भगुआ-रे । कोविद ताते तात मात क्रिसो देहुंन मोहि दगु-आरे ॥ १ ॥ * ॥ *

खेलो पिआ स्वाद सो होलिआरे । गाली मति दे-वो मति भेवो रस मे मय बोलो वोलिआरे ॥ १ ॥ वा-ह पकरि झकझोरो मति पिआ मति माडो मुख सुख रोलिआरे । कोविद गुरुजन सनमुख देखो राज कुअर न छुओ चोलिआरे ॥ २ ॥

॥ वरवा ॥ पूर्वी ॥ भेद ॥

वाल निकर लै निकरे हो होरि खेलन लाल । जो जन देखिपरे पकरे त्यहि माडे हो मुख लाल गुलाल ॥ १ ॥ कोउ पिचकारी मारि चले भले गारी हो गाव हँसि कोउवाल । कोविद वरज तरज नहि माने होरि होरि करिदै करताल ॥ २ ॥ * ॥

रंग उमंग लिए सव हो होरि खेलन आये । राज कुमार उदार महारस वश हँसि हँसि वर धूम मचाय ॥ १ ॥ कोउ वरजे गरजे गारी दै तरजे होवहु भृकुटि नचाय । कोविद कहत वनत नहि वनितागति किय जो सव लाज विहाय ॥ २ ॥

॥ पूर्वी भेद ॥

हिय धरि होरि वहारिवा लंभ करो करो । नवल अली नवले रितु आए नवल उमंग तयारि ॥ १ ॥पल्लव नवल नवल फुल फूली कोकिल नवल पुकारि । गान तान नवले शुनि अत मुद कोविद नवल निहारि २॥

नवल वहारि निहारि प्रियलषि खेलो खेलो । कोकिलका कलि कोलाहल शुनि व्याकुल अलि कुल वारि ॥ १ ॥ परम विदग्ध मुग्ध जनताको दुग्ध मनोरथ धारि । कोविद मोद विनोद आपनो राखहु करहु तयारि ॥ २ ॥ * ॥ *

॥ पूर्वी भेद ॥

फागुन गुनगावो गारिहो सव लतातरु नर सभारि । सवभै पूरव पत झारी ॥ नवपल्लव कुसुम उदारी । कोकिल कुल कलहिँ पुकारी वारिहो ॥ १ ॥ हँसि लाल गुलाल सुतारी । डारहु लखि सुर नर नारी ॥ मारहु सवही पिचकारी ॥ कोविद कवि होहिं सुखारी सारिहो ॥ २ ॥

खेलत ललिलाले आलेहो । दृग गोचर लाल गुलाल । हँसि हँसि धरि धरि करिडाले । अंग अंग रोरी वरमाले । पिचकारी मारि उताले थालेहो ॥ १ ॥ लखि

रस वशभै सुरजाली डालें निजसमसुममाले घनि घनिभ निम्नए वेहाली । कोविद कवि शम त्रिशाल पालिहो ॥ २ ॥

॥ देश ॥

फागुन घन आउरे मोरे पिअउ । मन भावन शावनते सरस हरस विनसिम सुख दाउरे ॥ १ ॥ रयन अयन रंग रसहि वयन करु मयन देउ मनभाऊ । कोविद मोद विनोद अजत्र पर पोच शोच विनगाउरे।२।

विहर वरसंत वसंत ए आएरे । कंत अनंत मोद मंदिर यह जो चाहे सो गाएरे ॥ १ ॥ रंग विरंग रंगले अलिआ जंग हेत चहुंधाए । कोविद मीत मधुर मन हरले । धूम मचावो वचाएरे ॥ २ ॥

नवल भल खेलही होरिआहो । तुम पिआ आलस तजि विहरो नित चितदै मुख माडो रोरिआहो ॥ १ ॥ रंग जंग सउमंग करो भरो नैन मैन हितु रितु थोरिआहो । कोविद मुदलहि कहि जय जय सत्र सुमन सवरसे सुर गोरिआहो ॥ २ ॥

अजव रितु आए पिय लखिएहो । नवल वहार उदार करत जग तुमहु करो परसुख चखिएहो ॥ १ ॥ तूल अतूल किए मुदमूल दुहू दिश वीश सखा सखिएहो । कोविद आयसु चाह नाह तत्र यह रितु कोउ विधि नहि मषिएहो ॥ २ ॥

॥ धाहिनी भेद ॥ देश ॥

रसहीसो खेलो पिआ होरिआ । धरि करिकर मरोरि रोरि मलि नाहक किय बर जोरिआ ॥ १ ॥ मै दैमारी कहां आइ परी अरीजानि वानि यह खोरिआ । कोविद भल फल पाइ गई दई छाडिगी वनिज ओरिआ ॥ २ ॥ * ॥ *

विहरत दीये गलवाही । लाज नही गुरजन पुरजन की । चुमि मुख सुख मुसुकाही ॥ १ ॥ नहि तोहि मैकुलकानि हानिकी । नहि तोहि केहु कछुचाही भूप सुअन तुम कोविद मै पुनि अवला गइ महिमाही॥२॥

॥ सोरठा ॥

तुम क्यों अलसामे हो घर घर होरी होरही । सब अनुकूल मूल सुख साधन वोधन नहि पहिचानेहो राधन करहिं सहचरी काधन चहि नहि जाने हो हरवर गोरी दोरही ॥ १ ॥ कमर कसो रस वरसो प्रीतम कर फागुन गुन गानेहो । कोविद रसमय रंग जंग कर कीनी ललानेहो सुर कर जय जय सोरही ॥ २ ॥

प्यारी क्यो करि मानेहो होरी को दिन थोरही । अलि कोकिल कुल तेरे लगिधुनि मधुर करेवर गानेहो मुनि जन मनहर भोरही ॥ १ ॥ सहचरि कर जोरे प्रिया

तोरे मोर लगि तजि सानेहो । कोविद मोद विनोद करो हरो खेद निदानेहो । नाहक असमय सोरही ॥ २ ॥

प्रीतम खेलो हो होरी अरज करति वरगोरी । केलिकला कुशला रसला सब गान निधान किसोरी । स्वगुन अनंग वधू मद मोचनि रंग उमंग भरोरी ॥ १ ॥ वंधु सुहृद दासादि महित गुन सहित सुहित निज ओरी । कोविद रंग बरसो सरसोइ तहरसो सब विनचारी ॥ २ ॥

खेलो री होरी हो पीआ अलस करत हरत नहिहि यदुख सब सखिआ पिआका कीआ ॥ १ ॥ नवल वहार उदार निहार कुसुमजुअपार सुरभि दीआ । कोकिलका कलिशुनि कोविद मुद हेत चेत आयसु सीया ॥ २ ॥

॥ पुनः ॥ काफी ॥

रंग महल मह जानकी रघुवर खेलें होरी । लै सारंगि मृदंग रंग सब थिरकत छोराछोरी

॥ ध्रुवपदम ॥

तास बादला वसन वसित सब भूषन मनिन जडोरी । मनु दामिनि गन नर नारी बनि नषत सहित विहरोरी ॥ १ ॥ पन्ना पाहन हौज मौजमे तामह केशरि घोरी । जनु किंजल्क मंजुबापी जल द्वौदल कमल वनोरी ॥ २ ॥ रंग फुहार हजारन बरसत अबिर

थिरकतिआवतिलखुगोरिआ। लालाभागिचलोयह औसरनहिंचहिएवरजोरिआ॥ १॥ तवलगिलपटिगई यकयककहँदसदसकहँहोरिहोरिआ। कोविदकरिनरिगई रानीढिगफगुवालैतिनाछोरिआ॥ १०२॥ होरीखेलन मोसेआये पिअरवा। रंगतयारअपारकियेलिये संगकेलि कुलचतुरईअरवा॥ १॥ सहचरिसहनिसरोपसरोंकरी दोहि ददापहुचतहींनिअरवा। कोविदसव संसारसयर लखि होइदसाजसरंगासिअरवा॥ १०३॥ खेलत ललिलालउड़तगुलाल। दीसतदशदिशलाललालसवअ- वरेजनुजगजाललखिरिखिमाल॥ १॥ गानतानजन जानिपरेधरेसरेधरे अतनुमनुवाल। कोविदकविछवि वाहिसमयकीजानतशिववरव्यालसुखदरसाल॥ १०४॥ खेलतललिलालेंआलेंहो। दृगगोचरलालगुलालेंहँसिहँसि घरिधरिकरिडालें अंगअंगरोरीवरमालें पिचकारीमारि उतालेधालेंहो॥ १॥ लखिरसवसभेसुरजालेडालेंनिज सुमसुममालेधनिधनिभनिभएवेहाले। कोविदकविशर्म विशालेपालेंहो॥ १०५॥ मधुकरमंजुलगुंजे। परिम- लपरमपवित्रविचित्रलहिजलजथलज फुलकुंजे॥ १॥ को- किलकाकलिकुहूकुहूधुनिसुनिमुनिभोरुनिकुंजे। कोविद राजकुमारविहारकरोभरोरितुसुखपुंजे॥ १०६॥

॥ जोगियाभेद॥

प्रीतमऊखेलिएहोरिआय । पिंजरिमंजरिपुंजदेषि अतुमधुकरगुंजमचाय ॥ १ ॥ कोकिलकूकमूकनहिराष तचूकनकीजेधाय । धूमधुकारडंफआदिककोकोविदमुद मयगाय ॥ १०७ ॥ रघुवरखेलैसिआसंगहोरी । इत समसखासखीसमउतसमगावें अमीरसवोरी । वाजेसव वाजेसाजेसजिदुहुदिशिरसिचितचोरी । रंगविरंगवर वरसतविछुछुटीमुठिरोरी ॥ ३ ॥ कोबिदकविछविलखि आशिषसखिचिरजीवेयहजोरी ॥ १०८ ॥ हरतहिय विहरतसियरघुवीर । सरजूनीरतीरमहिरहिसमपरत अपारअवीर ॥ १ ॥ फागरागविनदागलागकरिहोत दिमागगभीर । कोविदकविछविलोकविलोकतकहतध- न्यतकदीर ॥ १०९ ॥ लालललीअलीलैभलविलसत फागनफागनरागन । मधुरमृदंगसारंगितरंगनरंगनपाउ- नवागन ॥ १ ॥ लालगुलालविशालउडावतलालकिवा गतडागन । कोविदकविछविलखिसखिवनिभनिधनि दविदेविदिमागन ॥ ११० ॥ ॥ देसभेद ॥

खेलोलालनहोरीमतिकरवरजोरी । सन्मुखआइगाइ संमतसतरंगवरसझोरीझपटिलपटिचोरी । वाधरिकरि मुखमाडतरोरी । कोविदमोदविनोदकवनयहसुनिहँसे मुखमोरी ॥ १११ ॥ धनिधनिफागेरागेगावोअनु रागे । लालगुलालवाललैडालोविनचोआदागे । रंगसरंगि

निवहवाबोलालवागवागवागे ॥ १ ॥ मधुरमृदंगसरंगि
गितारसितारतारमागे । कोविदकेलिकलापकरोपरगो
रिहिदिलभागे ॥ ११२ ॥ लालललिअलिलैघूमकरोहो ।
लालगुलालउतालचालकरिलोषनआँखभरोहो ॥ १ ॥
केशरिरंगतरंगिनिउमड़ीघुमडिसुरीनरिवाहिपरोहो । गुरु
जनकोविदकविछविनिरषतआशिषसुखघधरोहो ॥११३॥
खेलेंलालललिहोली । करिकरिवरटोली । रंगअपार
उदाररागपरमधुरमृदंगअमोली । वीननवीनसुगतिअति
वाजतियोगिसमाधिहिखोली ॥ १ ॥ नरकिन्नरसुरवार-
वारिवरपहिरेंअरुननिचोली । कोविदकविछविविवशप्र
विसरस घनिघनिभनिभैंभोली ॥ ११४ ॥ *

॥ देमभेद ॥

निरखिसखिलाललिखेलैहोरी । दंमकलापिचकारिअ
तरतरकेशरिरंगभरिवोरी ॥ १ ॥ रंगतरंगिनिराहवाहव-
हिमंजुकिशोरकिशोरी । कोविददंगभएसुरसुरिपरिढंग-
परिपिगतिगोरी ॥ ११५ ॥ होरीगोरीभईभोरी रघु
नंदनअरुजनकनंदिनीअनुशासनसबदोरी । रंगसरितबह
कायघायधरिसवहिविहसिवरजोरीवोरी ॥ १ ॥ गान
विधाननवीनधाहिनी प्रियतरकरमिलिजोरी । कोविद
कविछविशादनअद्भुतसुनिधुनिचहुंओरीशोरी ॥ ११६ ॥
वलिवलिअलिखेलैंहोरिहो । लाललीअनुशासनगहि

कहिआव्आवरंगवोरीहो ॥ १ ॥ गानतानमैंलास्यहास्य लैपकरिराजसुतचोरीहो । कोविदमोदविनोदनारिकरिफ गुवालैलैछोरिहो ॥ ११७ ॥ खेलोरीहोरीहोपिया । आलसकरतहरतनहिंहियदुषसवसषियापियाकाकीया ॥ १ ॥ नवलवहारउदारनिहारकुसुमजूअपारसुरभीदिया । कोकिलकोकलिसुनिकोविदमुदहेतचेतआयसुसीया॥११८॥ लखोसुषसुंदरियेआली । परिमलविमलकलितकुसुमा वलिललितसमीरसुखदचाली ॥ १ ॥ कोकिलअलिकुलगुं जमंजुमंजरिपिंजरिसोभासाली । डंफधुकारपिआरवारव रआनंदघरगावैंगाली । कोविदमुदमयमासहाससुखरास आयउठियेहाली ॥ ११९ ॥ लाललीखेलैंहोरीहोच लिआँअलियांरी सेवतसीरसमीरधीरअलिकोकिलकुलक लिअलिया ॥ १ ॥ संतवसंतअनंतकियेछविछायरहो गलिया । कोविदगानतानवादनघनसुनिसुरिकरिघलि यारी ॥ १२० ॥ ॥ रागदेस ॥

नृपतिसुतखेलैभलहोरी । अलिवृंदैलैनृपतिनंदिनी रंग बरसावतिजोरी ॥१॥ बावूभरतादिकपरिकरलै लैरंगहले बहुओरी । एकएककोदसदसअलियां लागीकोविदकी यनयगोरी ॥ १२१ ॥ ॥ राग सोरठ ॥

खेलैभललालललो । अलीहोरीदेखचिये एसखीसुखरं गजंगसह उमंगकरतहियहरतसरससुरगोरी ॥ १ ॥ दे-

खन० सारंगीमुददाइअनंगी मधुरमृदंगठिकोरी । कोबिदगानताननैअद्भुत जेहिसुनिमुनिमतिभोरी ॥ १२२ ॥ नवलजनखेलहिहसिहोरियारे । तुमपियाआलसतजिबिहरो नितचितदैमुखमाड़ोरोरियारे ॥ १ ॥ रंगजंगसउमंगकरोभरो मैनहितरितुथोरियारे । कोबिदमुदलहिक्कहिजंजै सबसुमनसवरिसेसुरगोरियारे ॥ १२३ ॥ अजबरितुआयपियलषियेहो । नवलबहारउदारकरतजग तुमहूकरोपरसुखचखियेहो ॥ १ ॥ तूलअतूलक्रियेमुदमूलदुहुदिशि बीससखासखियेहो । कोबिदआयसुचाहनाहतबयहरितुकोऊबिधिनहिमषियेहो ॥ १२४ ॥ बलभांहोहोरीखेलिये । साजिसमाजरंगबागबिचनिजनितवलभलमेलिये ॥ १ ॥ निजनिजमनअनुमानसोनसबकोविददेखियेकेलिये ॥ १२५ ॥ अवकीप्यारीवारीतेरई । चमकझमकसखिअनतअवरैइअवरैइवोलनसेरई ॥ १ ॥ औरइरंगतैयारसँगकछुअवरउमंगहिहेरई । कोविदहृदयधरकमेरोप्रियाजनुकोऊसुरकरफेरई ॥ १२६ ॥ सियसियवरवरजोरीहोमचायेरंगहोरीहो ध्रु० जोकोउद्रिगगोचरचरसहचरिताहिदवरिरंगबोरीहो ॥१॥ कोविदगानतानअतिअद्भुतजेहिसुनिमुनिमतिभोरीहो ॥ १२७ ॥ ललिलालखेलैफागरे । लालगुलालविशालउड़तकतरैनअैनजगजागरे ॥ १ ॥ बीननवीनसुगतिसतिवाजतिमधुरमृदंगसुरा

गरे । कोविदधुनिसुनिमुनिमनमोहतधनिधनिभनिसवभा
गरे ॥ १२८ ॥ अलिमंजुलिगुंजतवागरे । मंजरिपिंजरि
कंजकुंजवरपुंजपुंजकरिलागरे ॥ १ ॥ लालललीअलीवि
हरतहरतसुरीसुरमनअनुसागरे । कोविदसुमनसवरसतस
रसतसवमनसमनविरागरे ॥ १२९ ॥ चलोआलिखेलनहो-
रीरे । राजकुमारवहारकरतकतवसनतासभूषनहीर।मैंप
हिरोनषतजतोरीरे ॥ १ ॥ राज० खेलन० केशरकेशरिअ
विरमहावरकुसुमसहावओरीरीरे । स्वेतगुलालवालवहु
संगलैवाजसाजनहिथोरीरे ॥ २ ॥ रैनगईवहुमैनजोरिकि
यचैनकरोचलिचोरीरे । पकरिअंकमुखचूंमिचूमिसुखभू
मिझूमिरंगवोरीरे ॥ ३ ॥ करितयारिवरप्यारिप्यरिसवमो
दविनोदवरोरीरे । कोविदकविकीनीकविवैसीधनिभनि
सुरीकरोरीरे ॥ ४ ॥ ॥ रागसोरठ ॥

पियपायोंतुमैंमयफागुवालेवमनन्नयोरे । आलीकोगा
लीवहुदैलालगुलाललगायो । कंचुकीकोरछोरिचोरीतेवा-
रहिवारपरायो ॥ १ ॥ पारिहमारीआई कहीयहधरिक-
रिजनकीकहायो । कोविदकविछविवाहिसमैकीमेरोम-
नघनछायो ॥ १३१ ॥ होरिहोरिकरिविहरतरंगरसिआ ।
राजकुमारमाररुचिजयकरवारसंगरंगजंगजसिआ ॥ १ ॥
गानताननानाविधानकोवाजसाजकियसववसिआ । को
विदकविछविनिरषिहरषिसुरिसुमवरसोकियसुभआशि-

आ ॥ १३२ ॥ ललिललनचलनलषिहसिअलिआँहोरीमो
वोरीसीआवतिकतिकछलनइतउतगलिआँ ॥ १ ॥ वन-
उपवनषगमृगपहधावतरंगवरसावतथलिआँ । कोविद-
गानतानउनमोहनलहिअद्भुतसवकियवलिआँ ॥ १३३ ॥
लालनहोरीखेलनआयोरे । आयोरेमनभायोरे करपिचु-
कावररंगरंगेसवकुअरकोटलैधायोरे ॥ १ ॥ अवनहिपा-
रमिलहिगोइयांकहिझटपटपटनिजलायोरे । कोविदला
लखोलिमृदुवोलैंप्रानपियारपायोरे ॥ १३४ ॥ ललिअलि
लैकरिआँईरे । आँईरेनुसुकाईरे एकएककोदसदसआली-
लगिनवलकिशोरिअनाईरे ॥ १ ॥ रंगरंगितकरिचाड़िमो
ड़िमुख अद्भुतबाजवजाईरे । कोबिदकविहहकारप्यारक
र तारिसारिकोनचाईरे ॥ १३५ ॥ आजरोजसुआननेहो
रीकरी , अनगनफगुहारेवारेसँग लालगुलालकोझारी
न्नरी ॥ १ ॥ रंगतरंगिनिउमगिरहीवही नरनारीकहीको
रीतरी । कोविदकविछविनिरषिनिरषिनई विधिहरिह
रवुधिन्नोरीअरी ॥ १३६ ॥ पतिआईरललनतोरीवति-
आँ । मधुरमधुरकहिवागवलायो फगुआरेमचायोसारी
रतिआँ ॥ १ ॥ कोमलवचनरचनकोमलतन कसकसरेक
ठोरतोरछतिआँ ॥ २ ॥ विनहोरीहोरीहोमचावत । नो
खेरेकुंवरनरपतिआँ ॥ ३ ॥ कोविदकविछवितेसववस
करि असअसरेकरतदुरगतिआँ ॥ १३७ ॥ चलियेलली

अलीलैंजिसत्रागत्रागलालें । लालेगुलेखिलेहैंमनत्रवसंमन गुलालें । जहाँवुलवुलेहैंलालेंसत्र लाललालत्रालें ॥ १ ॥ पुंजेंअलीसुगुंजेंमनुमंजुहोलिआँले । गाते हैंतानलातेला तेंनगुनीष्वाले ॥ २ ॥ तजमांनमांनवाते आते जुवान छाले । दिलहारयेवहारसार जानत्रसंकाले ॥ ३ ॥ सुनिगुनिकोगईनईनईचालत्रालहाले । कोविदलईहैला लेंदइदूनमदविशाले ॥ १३८ ॥ लालनखेलोभलखेली। विनहोलीहोलीनमचावो निसरनदेहुनवेली ॥ १ ॥ राज कुमारआचारराजतोहि चाहीनांहिकुकेली । कोविद काहकहोनहीवनतहै अजत्रअहैयहसेली ॥ १३९ ॥ लहोअलिराजकुंअरत्ररत्रानी । उचितसुचितव्हैसुनोगु- नोपुनोउनोंनँअमीरससांनी ॥ १ ॥ पैहमकोविपरीत करत नितियहअनीतिनहिजानी । कोविदसंसैसरितत रितनहि यहिअद्भुतमनमानी ॥ १४० ॥ साइंनवलरितु आईखेलोखेलवनाई । अजववसंतपंचमीलोकोलोकअ- जत्ररसछाई । नवलकिशोरकिशोरि होरिखेले तुमकस असअलनाई ॥ १ ॥ रंगजंगसउमंगअंगसहकरोघरोमु सुकाई ॥ कोविदगोरीगनक्षनमनहर जयजयजगसत्रगा ई ॥ १४१ ॥ अइहोसजनीहोलाललली खेलेंहोरी । अंगसंगविनरंगजंगइन गानतानगतिगोरी ॥ १ ॥ मा- लामालसवेगुनअद्भुत वालावालकरोरी । मेलिअमेलिके

लिअनगनकरें भरें आनँदचहुँ ओरी ॥ २ ॥ देववधूटीकुठी
गुननकीजुटीजहँाखोरिखोरी । चुटीदेहिंभुंकिवुठीखाय
मतुलुठीशर्मभइभोरी ॥ ३ ॥ नगरडगरवनबागनदीमुदी
रंगअजलसजलोरी । कोविदमोदमहालखिविधिहरिहरभ
निघनिधनिजोरी ॥ ८९ ॥ भलाललनाहोहमसोकरीवर-
जोरी । गाफिलजानिव!भिछलकीतवरोरिकपोलमलोरी
॥ १ ॥ लघुलालहियकरीमकरीतुमउत्तरीयपटछोरी । को
विदनहवाईरंगअंगमलिसँभरुवारुअवमोरी ॥ ९० ॥ हो
रिखेलनआयेमोसनललनअनगनफगुहारेवारेसंग । मग-
मेोकरतसबअजबचलन ॥ १ ॥ निसरुनिसरुभाषेमाषेनहि
गारीदिएदईकतिकछलन । कोविदयुवतिमिलेदुर्गतिक-
हिंबाजीरहीमेजितनफलन ॥ ९१ ॥ होरीखेलतिअद्भुत
जनकलली । अनगनअलीगलीविचवगरींसँगरीनगरीछि
यअमली ॥ १ ॥ काहुजोरनहिचलतहलतनहिलोलगोल
विचवालवली । कोविदमोदविनोदमहालहिशमनकिए
गुरुगीरभली ॥ ९२ ॥ चोरीजोरीहोरीनहीहोहितवाजा
नहिहों तुमजायभायजन गनतनकहिहोनिजजितवा ॥१॥
यवोकिशोंकरोपकरों क्योंदिनबरजोरीवाक्योंकितवा । को
विदबाजीगरबानरसरिनाचनचायतजोमितवा ॥ ९३ ॥
कलिछलीललाललीखुलिमखिलो । केलिकलाकुशलासंगली
करिकरिकरिरंगजँगजाइपिलो ॥ १ ॥ कोविदकविहविक्यों

पकरोंपि । आकरीं जोभावेनिजहिदिलो ॥ २ ॥ होरि आईवलंभभलखेलोहो । प्रथमहितें बहुतेकहतेहते ताकों काहेशकेलोहो ॥ १ ॥ साजिसमाजराजसुतआवो परिकरकसिनअकेलोहो । कोविददोहिददाकीकरैामैंतुरितबनावोचेलोहो ॥ ९४ ॥ जंगला सखिआसुखकरोहोरीआईरे । शावनहैमनभावनतीएहैं फागुनघनमुददाईरे ॥१॥ देवरकोजेवरपहिरेंहौं नवलवधूटिवनाईरे । कोविदलैफगुवाछहिहौं मैगुरघरजाइनचाईरे ॥ ९५ ॥ होरि औरे कसखेलोबालंभ । लाजनहीगुरजनपुरजनकीरीरिआरेमुखमेलो ॥ ३ ॥ बालंभ० ॥ कोबिदकाहकहियनहिचाहि-यचोरिअरिबिनवेलों ॥ ९६ ॥ ललनहोरीखेलनआयोरे आयोरेमनभायोरे । करपिचकावररंगरंगे संगकुंअर-कीटिलैधायोरे ॥ १ ॥ अवनहिपारमिलिहिगोइंआँकहिझटपटनिजलायोरे । कोविदखोलिलालमृदुबोलेप्रानपिआरीपायोरे ॥ ९७ ॥ ललिअलिलैकरिआईरे आईरेमुसुकाईरे । यकयककोदशदशआलीलगी नारीनवलबनाईरे ॥ १ ॥ हँसिहँसिचिवुककपोलपरसिगँसिगुरघरजाइनचाईरे । काबिदलैफगुआनिदेशगुरुछाडिदियोसमुझाईरे ॥ ९८ ॥ झपटिलपटिहोरिखेलुप्यारी । बरिशदिवशयहआनंदआयो लज्जामानबहावहुसारी ॥ १ ॥ अंबाबाबाबहुतपदारथपेषिनसखिनरीकीनतयारी । जा

फहरोहियशफसरोबरकोविदमाफकरोधरेंदारी ॥ ९९ ॥
गोरोअसावरोआजआईहोरीगोरीरे । घरघरनवलतयार
करतसबनवलकिशोरकिसोरी ॥ १ ॥ कोकिलकूकहूकहि
यशालत । रितुपतिरतिपतिजोरीकोविदश्यामधामलैआ
वो पैआंपरोमैंतोरी ॥ १०० ॥ बैरिनिकोइलिबोलेल
हलहातिनवपल्लवललितलतालपटीतरुटोले । शीतलमंद
सुगंधगंधबहुअंधअलिनसहडोले ॥ १ ॥ खेलतिफागदिमा
गपिआसंगतरुनीअरुननिचोले । कोविदजोकोउपिअहि
मिलावेनाकरविकिविनमोले ॥ १०१ ॥ मधुकरमंजुल
गुंजे । परिमलपरमपवित्रचित्रलहि जलजथलजफुलकुं
जे ॥ १ ॥ कोकिलकाकलिकुहूकुहूधुनिशुनिमुनिभीरुनि
कुंजे । कोविदराजकुमारबिहारकरोभरोरितुसुखपुंजे ॥
१०२ ॥ अलिआजराजसुतसाजकिएगावैंफागरागरसबर
सलखोघरघरगलिगलि । जहँयुथ्थजुबतिनिरखेहरखेंमा
रेसबहिउरनपिचकारिहलिहलि ॥ धाइझपठिलपटिहटि
गंठिमुठिलैंहंसिलालगुलालबदनमलिमलि ॥ १ ॥ जबब
धुटीलपटिचहीहोरीखेलन बरजोरीमरेरिकरहीछलिछ
लि १ कवीकोविदभागिदिमागिमहाकहि । दूरहीतेंहंसि
होरिभलिभलि ॥ १०३ ॥ अलिलोकशोकतजजोकनृपति
करिथेकथेक । चिनरोकमेकखेलैंहेलिगलिगलि जहं
भीरगभीरलखेंयुबतिन ॥ तहंबारबाउदारलिएंहलिहलि०

हंसिहंसिभागिचलभलेअबीरनमदनजगाइबदनमलिमलि
॥ १ ॥ जयरंगनजंगकरैंबीहरें तबमुग्धबधूकहेंएलचिल
लि । कबिकोबिदमोदप्रमोदभरे सगरेनगरेंकहंजाउंबलि
बलि ॥ १०४ ॥ महिपाललालसंगबाललिएखेलैंबागवा
ग । फबिफागउमागभरेबनिबनि धु० बरनीरउसीरपटी
रअतरमिलिआबगुलावकेंतकिछनिछनि ॥ हरदीका
स्मीरअबीरमहावर भरसबपरयकयकगनिगनि १ छवि
सुंदरदेखिपुरंदरबरसतसरससुमनजयजयभनिभनि । क
बिकोबिदमोदबिनोदनिरखि रविवंशसराहतसबधनिध
नि॥१०५॥नयादिनमानिनिमानिनिहा । फागुनमेअनुराग
रचितहैरागमलोसुखदानिनिहो ॥१॥ करयुगजोरिकहोंग
हों युगयुगहँसिविहरोचरोभामिनिहो । कोविदकविछवि
निरषिसखीजनसुखिहोवेंसुखस्वामिनिहो ॥ १०६ ॥ हो-
रीखेलनमोसोंआएपिअरवा । रंगतयारअपारकिएँलिएँ
संगकेलिकुलचतुरइअरवा ॥ १ ॥ सहचरिसहनिसरोंप-
सरोंकरों दोहिददापहुँचातनिअरवा । कोविदसवसँसा
रसयरलखिहोईदशाजसरंगसिअरवा ॥ १०७ ॥ पिआ
होरीखेलनमोसोंआए । वहुफगुहारफुहारकेलिकुल सह
हहकारमचाए ॥ १ ॥ सहचरितुरिततयारिकरहुसउमंग
संगलेधाए । युवतीजनमनभायकिएशुनिकोविदरंगवर-
साए ॥ १०८ ॥ खेलतललिलालेआलेहो दृगगोचरलाल

गुलाले । हँसिहँसिधरिधरिकरिडालें । अंगअंगरंगरीव-
रमालें । पिचकारीमारिउतालेथालहो ॥ १ ॥ लखिरस
वशभैसुरजाली । डालेंनिजसुमसुममालें । धनिधनिभनि
भएवेहालेंकोविदकविशर्म्मविशालेंपालेंहो ॥ १०९ ॥
नवलवहारनिहारप्रीतमकाहेंनविहरो । आम्रमंजरीगुंज
तमंजुमधुपकुलनेकुनसिहरो । कोकिलकुलकलधुनिशुनि
विरहिनिकरहियहहेरतविहरो ॥ १ ॥ वनउपवनकुसुमि
तअतिशयरसवरसतमहकतडहरो । कोविदतवआशयन
यअद्भुतयहविनहहरोसहरो ॥ ११० ॥ दिलसेंखेलोमे
लोरंगरीवदनमयंकनवेलिआंरे । प्रीतमआलसरसअनरस
सेलागतललीअकेलिआंरे । मरजीकीजेशुनिअरजीपिआ
गरजीअलिभँईभेलिआंरे ॥ १ ॥ फागुनमासउदासनचहि
एरासविलासकीकेलिआंरे । कोविदकरोभरोआनंदमहि
सानंदधरोनिजचेलिआरे ॥ १११ ॥ निसरूनहीवोरी-
आजराजसुतधूममचावत । मधुमाषीसमलपटिजातहठि
गातगुलाललगावत । हटिपिचकारीमारितारिदेहंसिहंसि
गारीगावत ॥ १ ॥ जोकहुंदूरहुंदेषिपरतकोउहोरिहोरिक
हिधावत । घोरिरंगकोविदमुदपावतढंगअजवदरसावत
॥ ११२ ॥ वहारभेदचलताहोरिहोरिकरिविहरतरंगर-
सिआ । राजकुमारमारछविजयकरयारसंगरंगजंगजसि-
आ ॥ १ ॥ गानताननानाविधानकीवाजसाजवाियसवव-

सिआ । कोबिदकविछबिनिरखिहरषिसुरिसुमवरसेकिय
शुभअशिआ ॥ ११३ ॥ ललिललनचलनलपिहंसिअलि
अं । होरीमेंचोरीसीआवतिकतिकछलनइतउतगलिअं
॥ १ ॥ वनउपवनखगमृगबहुधावतरंगवरसावतवहिथलि
अं । कोविदगानतानउनमोहनलहिअद्भुतसबकियवलि-
अं ॥ ११४ ॥ लोकनआईहोरिरंगमहलमोचहलमचो
हैकंशरिवेशरिघोरीरोरी ॥ १ ॥ लक्षनलालगुलालउडाव
त गावतदेचितटकोरी । रंगनजंगमचाइधाइकरि अंबरज
नकक्रिशोरीवोरी ॥ २ ॥ रघुबरनिरषिनिरषिहरषतहिय
चितवतचकिचहुओरी । तापरलपठिझपटिवनितासब-
मुखमाडतिबिनचोरीरोरी ॥ ३ ॥ भरतशत्रुहनभागिच-
लेतबसियशासनसखिदोरी । पकरिअबीरगुलाललाथक
रि पीताम्बरवरजोरीछोरी ॥ ४ ॥ अमरीगनकुसुमावलि
बरषेंहरषेंलखितृनतोरी । कोबिदकविरविबंशतिलकछ
बिकिमिबरनेमतिथोरीभोरी ॥ ११५ ॥ होरीखेलेरीपि
आसिआसखिआसखिअनलेहीयहरी । रंगतरंगतरंगि-
निसेबहैंकहं आनंददुहू वेलें लहेताहितिनहींजोरहें ढिगजि
ननिजतनमनमेलेरी ॥ १ ॥ पिआ० ॥ पिचकारीमारहु
हारतनहिगारिदेतबिनपेंलेंकोविदभावतगावतरागिनिरा-
गमनोभैभेलेरी ॥ ११६ ॥ रंगमहलमेहोरीदेखो भूसनवस
नवनतवनितासब । निकरीजारीजारी ॥ १ ॥ देखो फा

गरागसवहोंको लागो। आनंदखोरीखोरी॥२॥ मनि-
मयमंगलरंगरंगितबर। तोरनओरीओरी॥३॥ कोबि
दकबिकहिनिरखिनिरखिकहै। भागजूमेरीमेरी॥११७॥
सिआपिआसंगबिहरतिबनिके। सुघरसखीलियगनिके॥
कोउसखिलालगुलालउडावत। डफलगाउकोउहनिकें॥
१॥ पंचमरागदिमागसेगावें। बीनबजावेंकोउतनिके॥
२॥ रंगमहलमहचहलमचोहै। केशरिआदिकछनिके॥
३॥ कोबिदकबिछबिनिरखि। कहें सबसियहोरीयहघ-
निकें॥ ११८॥ होरीआइनवलबहार। बनउपबनघन-
लतातरुनतनरसश्टंगारसंचार॥ अपरानंदमंदकरिमानत।
शुनिमुनिडंफधुकार। फागबिनोदप्रमोदकरतअबदसर
थराजकुमार॥३॥ असकहिमहिबिहरन। लगेजगको
बिदमुदआधार॥ ११९॥ होरीखेलेंअलिलिलाल।
चिनसरितासरिताबहिरंगहूबतबालाबाल॥१॥ लाले
लालभएजगजालेंबरसतलालगुलाल। कोबिदकबिछबि-
निरपिचकितसबधनिधनिभनिबरव्याल॥११८॥ हो-
रीआईरे। पियबिलवेहनछाई आईरे॥ डंफधुकारपरयौ
कोननजय। काननभवनबनाई॥१॥ सुखदसमाजदुख
दलागतअतिकाहकहोंकहाजाई। कोबिदश्यामकामप्र-
दऐहंतबहींभवनएभाई॥११९॥ यहझांझकटी पूर्वप-
र खेलें फागें हो लाललीकरिलागें फागें हो। सहअत-

रागरागअद्भुतअतिगात्रतइतउतत्रागें ॥ १ ॥ सखासखी दुहुंगोललोलअतिरंगजंगकरिभागें । कोविदकविछविढ विचित्रचित्रलखिचित्रसरिससुरपागे ॥ १२० ॥ कलंगराखे लतफविफाग । करिअनुरागराजकिशोरकिशोरिसाजसंगपरमउमंगकरिलाग ॥ १ ॥ रंगजंगजनुजीतिअनंगहिअतितरंगगितिराग । कोविदकविछविलहिविरञ्चिकहिचिरंजीवसवन्नाग ॥ १२१ ॥ खेलतललिलालउडतगुलालदीशतदशदिशलाललालसव । अत्रैजनुजगजाल लखिरिषिमाल ॥ १ ॥ गानतानजनजानिपरेधरेसरेअतनुमनुवाल । कोविदकविछविवाहिसमयकीजानतशिववरव्याल सुखदरसाल ॥ १२२ ॥ धरोरीसीयापीयाको पीताम्बरकरकोरजोरविनमोरफागवितरो घ्रु० राजकुमारवारवहु लेकर इतउतत्रहुदत्ररो । पिचकारीमारीसखिअनकोअंखियनहीयहरो ॥ १ ॥ फागउमागरागवहुविधतें रंगतरंगभरो । डगरवगरउपत्राग वागविचअतरनकीचकरो ॥ २ ॥ अवअत्रसरपायेोपियमरवरकरितुमतनभगरो । अवशअवशिमेरोवशिरहिएफगुआएहिवरो ॥ ३ ॥ करुनाअयनत्रयनसुनिसियकरहसिकरत्रशिमोपरो । कोविदकविछश्रीकल्पवेलीयहफलकल्यानफरो ॥ १२३ ॥ सीयापीपासंगेग्रहिरेलेरंग । सखीसखासुखलहतगहततटचहतसदाएउमंग । कुशलकलासकलाकलगावें भावकरें-

सवअंगवजेसितारगितारतमूराबीनसरंगीमृदंग ॥ २ ॥ जलतरंगकानूनसुरशृंगउपंगखावमुचंग । शुभशंसीवंशीगंसीहियचारुचिकारखरंग ॥ ३ ॥ छविवारिधिमज्जितसुरतरमुनिलज्जितनिरखिअनंग । कोविदकविफविफागविलोकिसुभागभरेसुकुरंग ॥ १२४ ॥ वहारआलिआईवहारवहाररी। कियांपंजरिमंजरिरशालदिशरंजुमंजुमधुधाररी । मधुपगुंजमंजीरसिंजसुरिकोकिलकलहिंपुकाररी ॥ १ ॥ तामहमहवशरसरसीलशिलश्रीअवधेसकुमाररी । कोविदमुदलगिलागिलगैअलिललिसहकरतविहाररी ॥ १२५ ॥ अलिखेलेंललिलालरी । उडतगुलाललाललालिसवसुखआलेजगजालरी । फागवहारवहारलागकरिरागसरसगुनिमालरी । गाउवताउभाउपाउमुदकोविदकवितितकालरी ॥ १२६ ॥ खेलेंहोहोली । अलिललिलाल । गानसुतानविधानसंगलिएंरंगरंगेवरवाल ॥१॥ जितघनसघनवाजवाजतवर वरसतलालगुलाल । कोविदकविछविअद्भुतसावनमनभावनजगजाल ॥ १२७ ॥ एचलखेलनहोरी । खेलतराजकुमारमोदविनोदप्रमोदडगर वगरेसगरेंहियहार ॥ १ ॥ जवतेंकाननआनिलगेमनसिजसरडंफधुकार तवतेंकाननहीतनआनन आननभावतभार ॥ २ ॥ अतरगुलावअरगजाकेशरि अविरलेहुभरिथार अद्भुतकरिशृंगारमारवशकररसकरसुरदार ॥ ३ ॥

अतिविदग्धमुग्धागतिलखिलखिमुग्धभईमतिमार । घ
निधनिरसशृंगार यारकहुकोविदमुदआधार ॥ १२९ ॥
वालचलहालहिदेखन । खेलतदसरथलालअमितजगत-
हितमहितमहाजनउडतलालगुलाल ॥ १ ॥ रंगफुहारधु
कारमर्द्दन अवलाचंचलचाल । हरषितनिरषिकुसुमसु
रवरषेंवरषावरषुअकाल ॥ २ ॥ रंगविरंगरंगरंगितगन
गात्रतरंगसताल । मानसमनुअद्भुततनुगुंजतपुंजितमंजु
मराल ॥ ३ ॥ होलीकल्पवेलिवलिवगरीसगरीमहिअवध
सुथाल । कोविदमंगलमंजुलफलफलुभलुदलुदुखहरशाल
॥ १३० ॥ होरिआईवालंभसंभरिरहो । सहितसमाज
याजसुतधरिकरिनागरिनवलनचाइचहो ॥ १ ॥ मनमाने
आनेफगुआलहिजोचाहोंसोयैनकहों । कोविदगुरजन-
सुरजनलषिसवचकियकिरहिकहिअजवअहो ॥ १३१ ॥
तुमसंभरिसंभरिभलखेलोहमसोंहोरिआहीलाल । सखा
सयानसहायवोलावो । निजवलवलभरिरंगचलावो । सं
मुखआवोदूरिवहावोचोरिआहोचाल ॥ १ ॥ ममआली
चालीलपिलजिहो । फेटपतडपसंगरंगतजिभजिहो । को
विदलालगुलालमलेंगीगोरिहोगाल ॥ १३४ ॥ लालहो
भलखेलरचाए । गुरजनपुरजनलाजतजेरजे । वालकेलि
सुनवोलिनचाए । डगरिरगरिधरिविवरवशहरिहरिअरिअ
रिवरिसवगुल्लमचाए ॥ १ ॥ सहितउमंगसंगसवयंसले ।

केशरिरंगसरितवहवाए । नरनारिसुरसारिसवहिमोहमहि
अहिसहताहिमःहिनहवाए ॥ २ ॥ गारितारिपिचकारि
मारिभारिवारवाररारीमुखलाए । कुमसूमअतिधूमगली
गलीकोहुकाहुचरचानचलाए ॥ ३ ॥ अजवकेलिसवसि-
धिविधिकरिव निसवविधिसवउपकरनमगाए । काकुअ-
काकुवाकुभाषेवहुधनिधनिभनिकोविदगुनगाए ॥ १३५ ॥
काफीपुनः । विहरतदसरथलालजनकललि । अलिच-
लिदेखनफागरागकरिलागलखोजिनतिनकरपुनिकहुशेप-
न । कोविदकविकवमतिपहुँचतिनहिकोछविकोकरेल-
खन ॥ १३६ ॥ अवधगलिनअलिलालरै । भलधूमम
चावत । ग्रामगीतअभिरामशिशुनलयसलयतालकलगा
वत ॥ १ ॥ लालगुलालगुलावआवमेलि । केशरिरंगवर
सावत । डंफलिएधावतभावलहियकोविदमुदउपजावत
॥ १३७ ॥ अवधगलिनखेलैंफागें । करिलागमहिपशि
शु । ब्रह्मानदअमंदभरतमंदिरमंदिरहारिहोरिमिशु ॥ १ ॥
मृदुमुसुकायधायसवहीपररंगभरतनकरतरिशु । जो को
ऊकछुकहतसहतहँसिकोविदमुदसवहीदिशु ॥ १३८ ॥
खेलतराजकुमार सखिआदेखमचलोरेनन्दनमन्दकरतसुर
वृन्दन । जहहोतनवलवहार ॥ १ ॥ वनप्रमोदमनतोद
छोदकरमोदविनोदउदार । कोविदकविछविअतुनलखि
रविरथरुकतकतवोर ॥ १३९ ॥ घनिघनिघनियहफाग

। सियरघुनन्दनखेलेंडारतरंगपरस्परअंगनगावतपंचम राग ॥ १ ॥ हँसिहँसिग्रामगीतदुहुँदलहोत सामहितेंक रिलाग । कोविदकविकविसुमिरिसराहतगुरुजनमननि- जभाग ॥ १४० ॥ विमलअवधगलिआनशुनोआलिगा नमनोहरआनंदअद्भुतनदउमगेमनउसवकेघरघरसोहर॥१॥ श्यामाश्यामारामफागलखिविधिविधिहोतहोओहर । कोविदकविछविनिरषिनछावरिदेतमहाजनमोहर ॥१४१॥ लालललीखेलेंगलिआँअलिआँदवरोरे । भूसनवसनस जोअनुकूलअतूलफूललैन्हलिआँ ॥ १ ॥ केशरिरंगखँभी रअवीरसुनीरधारनदिसेचलिआँ । ताविचसखासखीवि रहिंजउ । खूलिरहींसरसिजकलिआँ ॥ २ ॥ भृकुटीक टाक्षलक्षमुद्राको । दक्षघुघुटपटकोढलिआँ । अपनेचौ- टओटकोनीसखि । अवरहिदवरहिंसोदलिआँ ॥ ३ ॥ कतनोपिचकारीमारीपिआतौतनिकोनहिकोउटलिआंको विदकविछविनिरषिनिरषिहरषेनरनारिअवधगलिआं ॥ ॥ १४२ ॥ लालनहोहोरीजुजोरीकरी । जातहैंतोगलि आंअलिआंविन वरजोरीपकरी । वरजोरीमानेनहिशा नेमुखरीरीरगरी ॥ १ ॥ गुरघरजाउंमचाउफजीहतिआ खिरतोविगरी । कोविदअसकहिदईदईकरिकैसौकेउवउ वरी ॥ ३८ ॥ होरीरीसुखदाईआई । पलपलयोगज्ञ फलभलदेती । सहजसमाधिलगाईगाई ॥ १ ॥ नवलव

हारितयारिक्करोपियारतिपतिहूं गनिजानिनजाई कोविद मोदविनोदअद्भुनेजोनहिवृषाकपाईपाई॥१३९॥होरीखेलत श्रीगुरसदनविहारी। रंगअपारढंगलोकाधिकठगिसेरहेंसु रनरहुँनिहारी ॥ १ ॥ गुनिगावतवरभाववतावतनोचत- अनगनसुगतिपियारी । कोविदहद्यवाद्यनानाविधलखि सुखधनिधनिसवहिपुकारी ॥ १४० ॥ खेलोखेलोहोला लनखेलभला । पिचकारीमेरोमुखमारी लालगुलाललगा इचला ॥ १ ॥ कोविदपकरिपैहोंजोंविआतोहि नारि- वनावोंनचावोंलला ॥ १४२ ॥ होरीहोखेलेंआएलाला । सहकिवहकिवहुवातशुनावतरँगवरसावतआला ॥१॥ कोविदछनमनधीरजधरुपियहाजिरहोतिहेंवाला ॥१४३॥ धनिधनिभनिदुनिआलषिहोरी । लाललीअलिलैकौतु ककरे गालीगाइमलंरोरी ॥ १ ॥ रयनअयनकोउजातन जानेनितिनइकेलिप्रकटचोरी । कोविदोमदविनोदनिर- षिआशिषलिखदइजयशिवगोरी ॥ १४४ ॥ वनप्रमोद धनिहोतिहैहोरी । खेलतरघुवरजनककिसोरी । विविधि- धसवांगसँगलैविहरतव्रतमहानँदखोरीखोरी ॥ १ ॥ फा गउमागतिहूपुरपहुंचेडफधुकारधधकारमचोरी । कोवि- दकविकविनिरखिकहेसवधनिश्रीअवधधन्यश्रीजोरी१४५ देखनचलअलिफागरागभल खेलतवनप्रमोददसरथसुत । ग्रामगीतनूतननूतनकत गावनभावतमुनिगनपुरहुत ॥१॥

रंगभरेउलरेकुदंरसब शुधिनरहीलागेमानोमुत कोविदक विछविलखिवकिजकिरहे रहेथकिथकिनारदशरदयुत ॥ १४६॥सखिआँसूँइआपँइआँलाग गवसेखलैंफाग पिचकारी मारीचोअनकोसारिनदेतहैंदाग ॥ १ ॥ रससेसरसफाग फविहोत्र सहितरागअनुराग कोविदसरससरसशोहतम व यामहइकवनदिमाग ॥ १४७ ॥ अवधविचहोरीवरम चो नरनारीरंगरातनातेरागरागिनीसची ॥ १ ॥ विधि वुधिभोरिहोतिपरिकरलषि काजानीकिनरची कोविदक विछविसत्यसत्ययहि अवरजगतछविकची ॥ १४८ ॥ प्रीतमखेलोहोहोरी अरजकरतिवगोरी कलिकलाकुश लारसलासव गाननिधानकिशोरी सगुनअनंगवधूमद मोचनि रंगउमंगभरोरी ॥ १ ॥ बंधुसुहृददासादिमहित गुन सहितसुहितनिजओरी कोविदरंगवरसोसरसोइत हरसोसववनचोरी ॥ १४९ ॥

देशपुनः ॥ प्रीतमरंगजनिडारो तंगकरेगोवेरिनि अंग विलोकिसंगतवसारो ॥ १ ॥ हासरासकीवातघात लखि कहोअहोनृपवारो कोविदमोदविनोदचाहिए पि- चकारीमतिमारी ॥ १५१ ॥ काफीभेद लालमुखलालगु लाललगावे देखोयुवतीचलननहिपावे वरफगुहारकुमार हजारलिए संगइतउतधावे गोरिगोरहैहोरिहोरियहिक हिकतधूममचावे पिचकारीमारेउरकरधरि शिरडारेरंग

बाल्मीकि शोध संस्थान 16699

गावे गारीदैतारीहँसिहँसिपटतारीमुखदोखरावे ॥ २ ॥
बरजतरजएकीनोहमांने करजोईमनभावे गुरजनपुरज
नलाजतजीइन काहकरैकहांजाव ॥ ३ ॥ देखबिनदेखेन
हिबयननयनमनकानिदुरावे कोबिदगतिदुर्गतिअतिअद्भु
त जगतीमतिनहिआवे ॥ १५२ ॥ हरतहियबिहरतसिय
रघुबीर सरजूनीरतीरमहिरहिसम परतअपारअबीर ॥
॥ १ ॥ फागरोगबिनदागलागकरि होतदिमागगभीर का
बिदकबिछबिलोकबिलोकत कहतधन्यतकदीर ॥ १५३ ॥
देश धाहिनीभेद सइआँकोलैआबेरेसखिआ होरीबो·
रीआइगईढिग देखबिननहिमानेरीअँखिया ॥ १ ॥ रा
जकुमाररसिकारगएनहि आयउपायकरोहियरषिया को·
बिददयितराचतुरातुं तबप्रसादस्वादयहचाखआ ॥१५३॥
सिंदूराभेद स्वामिनिरंगपंचमीआज रंगजंगसंगप्रीतमक
रु दंगअजबतजिलाज ॥ १ ॥ यद्यपिरंगजंगनितहीभए
नएनए उतसाह आजबिशेषचाहिएतबहू येहिसबहिहिय
चाह ॥ २ ॥ प्रथमहिरंगजंगकरिनीकै कुसुमकेलिलल
कारि जयपुकारिराबरिजितिहोपिय सबसमाजदैतारि
॥ ३ ॥ सुनिअलिबचनबिहसिललिअलिको उपेषीप्रीतम
पास हरबरपीसिसोहतप्रीतमको आनहुममआवास ॥
॥ ४ ॥ गईसखीलखिलालसभाभल अतिबिचित्रवयश्रेहा
र आदरपाइसुनाइचाहलालि हँसियोलेभलदार ॥ ५ ॥

मैंकछुकारजत्रिवश अहोसखि लखनलालले जोव ललीभ
लीविधिकहुवुझायमिलिकहुँ सकलहियचाव ॥ ६ ॥ ग
ईलवाइवावुजाहिरकिय आदरभाउजपाइ लखिउछाह
निर्मलजनवाबू कावूभैमुसुकाइ ॥ ७ ॥ कुसलातंभाउजवू
झाहँसि परसिकपालतिचोल वोलेवाबुआपपदपंकजमं
गलदायअतोल ॥ ८ ॥ ईशकहाआयसुकीजवह शीशध
रोविनव्याज आयसुयहिवडभाइहिआनहुं यामहवसस
खसाज ॥ ९ ॥ ऊवउठेकहिखूवदीजिए अलीभलीविधि
कारि करीसंगसउमंगचलेपद कंजपरसिहियधारि ॥ १० ॥
करिप्रणामसुकलामकहेसव सखीसुखीसवभाँति कीजिय
दोदोमर्यादासवयाहीमहादिनराती ॥ ११ ॥ हंसिवोले
लालनआदरकरि चादरदइअलिवेश आयसुकहियचहि
यजोकरोसंाएहीजानहमेस ॥ १२ ॥ करधरिवोलिअलीउठिए
पियआशुएहिउदार राजकुमारव्याजएकोनहिमनिहोह
ठएहमार ॥ १३ ॥ हँसिलालनलैलषनलालको तुरितचले
प्रियापाश जाहिरभैमाहिरसवगुनललि लियआगेसहहा-
स ॥ १४ ॥ सिंहासनवैसायलायअत रादिजोरिकरटार
भइल लालनकरधरिनिज आसनपरबैठार ॥ १५ ॥ हा
सविलासवातकछुकरिकहि कहियमनोरथप्यारि सवअ
नुकूलमूलआपहिमुद भूलतूलनविचारि ॥ १६ ॥ हँसियो
लीललिअलिगनचाहति रंगपंचमीजंग भाइसखाअनु

जाइसहितआयोकसिकमरउमंग ॥ १७ ॥ करेविहारनि
हारिजगतजन सुखीहोहिंइनिदश श्रीगुरुतातमातकोए
होसमयदेशहुं विशेश ॥ १८ ॥ शुनिगुनिलालबोलएबाबू
भरतसलघुलवुहास तुरितदुहुं जनआनंदसहित पहुचेदंप
तिपास ॥ १९ ॥ कियप्रणामआशिषआदरलहि भाउज
करगहिलवास पासहाससहबैसाए पाएसुखसकलसुपास
॥ २० ॥ रघुनंदनसवकहासुनाए नाएशिरदुहुभाइ हँसि
बोलेनहिशक्तिजंगकी भक्तिचरनकीआइ ॥ २१ ॥ परजा
हिरजगरउजाई हाकिमहोरींयहवात तातंहुकुमकियाच
हिए योमहनहिकछुउजुरात ॥ २२ ॥ दुहुदिसितुरितत
यारकिएसब रंगकुसुमवरवार वाजनबोलअमोललोल
वर गोलदुहूजयवार ॥ २३ ॥ कियसरहद्दरद्दमतिकरेको
उ जुरीमहद्दलजर वद्दलसरिशनकद्दलयामह होनलागज
यशोर ॥ २४ ॥ कूदफाँदसहरुवोदवादसह गानतानमुददा
न । मूठिछूटिदुहुँदिशहुदेहकीशुद्धिनजुद्धिमहान ॥ २५ ॥
लालगुलालधुंधुरीछाई जानिनपरेजहान । हद्दरद्दभैकुसुम
केलिपुनिधुनिनहिशुनिकहँगान ॥ २६ ॥ करतकरतवद-
हासविलासभएदुहूँ दिशकछुकोह । काअवहोयनजानिप
रेअरेभैसवसुरनरमोह ॥ २७ ॥ जानिविधानदुरूहदुहूँ
दिशसंशयसवजनओर । श्रीगुरदेवभएविचवाइंसंचदिए
दुहुँओर ॥ २८ ॥ पायप्रणामदुहूँदिशआशिशअमृतपा

निपरसे । दूरक्रियोथाकनिसवहीको अद्भुतसुखदरसे २९ ॥ पूजिगनेशविदाकरवाएफागदेवमुददाता । पुजवाएनिज पगदिलवाएजजोजेहिलायकभाता ॥ ३० ॥ सुरभीपयपिलवाएसवशिशुतनमनपोषेचोषे । दिएअनोषेसुखसवहीकोजोकलेशसोशोषे ॥ ३१ ॥ सुरनरमुनिअद्भुतमुदलहिकहिधन्यधन्यगयगेहन । धन्यधन्यराजारानीहम असन हिलहियहिदेहन ॥ ३२ ॥ होरीविदाभईथोरीविस्मयक्रियहँसिकहिलाले । यहगृहयहमहनितप्रतिजानो ठानोपरवरख्याले ॥ ३३ ॥ असकहिंसवप्रसन्नह्वैसरयून्हानाकिएलिएनयपट । दानदिएभोजनकरवाएभोजनक्रियसवरसषट ॥ ३४ ॥ करिआचमनविधानसहितहितपानलिए सबवाले । सयनचयनअवकरोहरोश्रमजोकछुतनुकहिलाले ॥ ३५ ॥ कीनसवेवहलीनपीनसुखदीनदेवगुरमोदे । कोविदकविवरनितछविगाई पाईसोउविनोदें ॥ ३६ ॥ १ ॥ १५४ ॥ इतिश्रीमद्रङ्गपञ्चमीगीतिर्जयति ॥

॥ श्रीरामोजयति ॥

॥ अथ चैत्र पदावली ॥

होलीवीतीभलिकलीकीजेचइततिलाला । फूलीअतूतीमालति सेवतीगुलावेंआलो ॥ १ ॥ वनउपवनरसवरवरसेसरसेसुमिरसुखशाला ॥ २ ॥ मधुकरमधुरेवरवोलिपिंजरमंजरीरसाला ॥ ३ ॥ फडेविदहँसिलाललीस

हांविहरेभंरमुदमाला ॥ १ ॥ सुरभीसुरभिसभिचौदिशि
लहिमहिपतिसुतकियेएसे सुरउपसुरनरअहिवरकरकन्या
धन्यामृदुहासे । वशिरशिकशिरोमनिकरगहि महिमनि
मृदुकियसुविलासे ॥ १ ॥ नभजलथलसमगतिललितेसम
कुडलितेसोइभरसे । कोविदव्राजसमाजेअद्भुतसुरपुरस-
वआशे ॥ २ ॥ मधुकीसरसरसआवतिआगहोउरआ
ली । मधुमासउदासनचहिए गहिएउचितवचनाली १॥
फूलीगुलाबकलीभली । मंजेगुंजेमधुपाली ॥ २ ॥ द्विश-
पिंजरिमंजरिकीनी । दुखदूरियपियकरहाली ॥ ३ ॥ को
विदचरनायुधजागे । पागेपूरववरलाली ॥ ४ ॥ हितनहि
नसुखावलिअलिगितशुनिगुनिगईराजकिसोरी । अवध-
शकुंअरमिलिवैसे ऐसेउचितप्रियामोरी । हंसिविहरोह
रोदुखहियकी रितुअद्भुतलषुचहुंओरी ॥ १ ॥ सुरितरिलि
रकुंजगलीभली विहरीदरीदुखछोरी । कोविदमुदलहि
अद्भुतअमरी कुसुमवरसोरी ॥ ४ ॥ विहरैंहरैंमनमोरा
दशरथनृपलाल मोरिहेरमे० । धीरेसमीरेतीरे सरजूरिजु
सुखशाल ॥ १ ॥ मोरे० ॥ गावेंवजावेंवीनागतिआनवी
नाचाल ॥ २ ॥ केलीविचित्रमुदमेली । हेजेलीनहीकोउ
वाल ॥ ३ ॥ कोविदधनिधनिलीला । ढीलाभएसुरआल
॥ ४ ॥ मोरिहेरमे० ॥ ५ ॥ शोभतसुरभिशोहावनएआ
लि । फूलीवली परिमलपरमसुपावन ॥ १ ॥ गुंजतमंजु

लमधुकरएआलि । सिंजितअपसर चरनाम्नरनसुभावन ॥ २ ॥ खिलतिगुलाबकलीभलो । एआलिधुनिशुनिमुनि मन । मोहमलयमरुदावन ॥ ३ ॥ अवधनृपतिसुतआन हुए आलिहालिकृपाकरु कोविदमुदउपजावन ॥ ४ ॥

॥ अथ कर झूला ॥

करकेझूलनभलझूलो । सवहीमहोअनुकूलो सुरभी सभीफुलफूलो॰ । सरजूरिजूशुभकूलो । थरसेंरसें मुदमुलो । मलयानिलंजनिभूलो ॥ २ ॥ आलीअलीहियहूलो तुमहीकरोगालगूलो ॥ ३ ॥ पहिरोविहारदुकूलो । कोविदहरोहियशूलो ॥ ४ ॥ केलीकरोनृपवारे सरजूरिजू सुकिनारे कवहूं तुरंगसवारे । कवहूं फिरोपगचारे ॥ १ ॥ कवहूं सुकुंजविहारे । कवहूं झुलाझँझकरे ॥ २ ॥ कवहूं कुसुमकरमारे । कवहूंअतरपिचकारें ॥ ३ ॥ सुरनारि निरपिसुमडारे । कोविदप्रमुदआधारे ॥ ४ ॥ कहँरवा प्रकृतोपयोगी । विनउत्सवकेगेहशूनादेहशूना अहोवसनविन ॥ १ ॥ विनउपकृतिकेनेहशूनामेहशूनावारिविजुरिविन ॥ २ ॥ विनकुसुमनकेचैतशूनाजगअपकृतिविन ॥ ३ ॥ कोविदमुदविनज्ञानशूनाध्यानशूना ध्येयसुलभविन ॥ १ ॥ विनफूलफलकेवनउपवनशुन । फूलशूनोअहोसुगंधविन ॥ १ ॥ विनझूलाकेलिचैतसावनशूना । केलिशूनो अहोसुगधविन ॥ २ ॥ सुग्धाशूनीविनचितवनि

तनि बितवनिशूनीजावविदग्धविन ॥ ३ ॥ भावविदग्ध शूनविनकारजके । कारजशूनाअवधमगधविन ४ ॥ १० ॥
॥ पुनप चैत्री ॥ फूलेंहोचीमचिंआफूला । दर्दतिमस माज हेरम सुवरनमनिमूंगामोती वनीहैविनदाज ॥१॥ हेरम अलिआंफुलावेंगावेंनाचेवजावेंवोज ॥ २ ॥ पिचकारिपररुपरमारे । गुलावेविनलाज ॥ ३ ॥ सुरनिरखि विनोदेकोविद । धनिधनिसुतराज ॥ ११ ॥ रसहीसोफु लोभारेवलंभाकरकेकरकेहोफुलनवा । ममजानिमिजाज वारिको तवहूंअसहकुमहुलनवा ॥ १ ॥ धीरसमीरैसीरे फूलेसुगंधफुलनवा कोविदसुमुदमयकेली । कीजेमोसर जुकुलनवा ॥ १२ ॥ करकेफुलेफूलेंआला । संगलिएल-लिभूपतिलाला । थंभाकनककनिजाला । जडेवहैविचि वविशाला ॥ १ ॥ मचिआरचीमनिमाला । गुलगुलीम षमलीगद्दाला ॥ २ ॥ गावेंचैतचितैभाला गुनीचुनीचारु तरवाला ॥ ३ ॥ नाचेंसाचेनयचाला कोविदमुददेहिउ-ताला ॥ १३ ॥ धाहिनो भेद ॥ लाललीफूलंकरके-फुलनवा । जितरंभारंवभाविद्रुमके । हरितमनिनकेमचि आ अपरमनिनकेवूटाअद्भुतराजितजितकचवचियागुल गुलगादीमखमलशादीयहिदुतिनाहितुलनवा ॥ १ ॥ लहि आयशुवावूभरतादिक फूलहिंविहसिविलोके । भाइभौ जाईछविअद्भुतगानशुनेसखिथांकें । अजवनाचसुखसा

चलहे सखकोविदसरजुकुलनवाँ ॥४॥ ॥ खेमटा वरवा ॥

करके फूलनकवहाररिप्रतम भलफूलनफूलो । नोहमाफू मधुमधुरितुमधुरेसरसपल्लवफुलफूलो । कोकिलमधुरपुकारकरतमधु करमधुरेरसभूलो ॥ १ ॥ पीतपरागसराग किएदिगजगतप्रानअनकूलो । कोविदसरितिरतरुअद्भुतनंत विहरविहरहरशूलो ॥ १५ ॥ ॥ पूर्वी ॥ करके फूलनफूलेवालंभभूलीमतिकोउकार । अद्भुतगंधगंध वहुवहतहैमहमहमहसंसार । चहचहशोरचहूं घोशुनिशुनिवहकतिवालहजार ॥ १ ॥ साँचनाचगुनगानतानसवनिपुनअपुनहीनिहार । फूलियादिलफूलियतलियसव कोविदमोदउदार ॥ १६ ॥ सियसियापियाफूलें करके फुलनवामनिमयखंभरंभपरेसुवरनरचिमचिमनिहि फुलनवा । मनिमयमहीमनोहरनोहरनारिसवँारिहुलनवा ॥ १ ॥ नाचसाँचअरुगानतानउरुजाकोनहीतुलनवा । कोविदकविछविछकेतकेयह । अद्भुतएसरयुकुलवा ॥ २ ॥

॥ कहरा ॥ वालभकरकेफुलाभलफूलो । श्रीरितुराजसमाजसहित आयोअवमतिभूलो ॥ १ ॥ संजितरंजितधृतअंजलिअलिकोविदकविमुदमूलो ॥ २ ॥ वालभकरकेफुलाफूलीआज वीनसितारगीतारसारदामधुरमृदंगसुसाज । मेलिनवेलिउमंगभरीवरीभलिप्रौढालिसमाज ॥१॥ चीमचिआरचिआहीरादिहिकलीअलीविनलाज । कोवि

विदमोदविनोदकीजिएसपदिअरजसुतराज ॥ २ ॥ य-
हझूलाकारुवादभूलाकेलिभूलीकाहेनृपतिसुत सवमासन-
काचैतमूलाखेलिमूलाझुलारसिकन्तत। रसिकजननकरका
षूलावाषूलीप्रियावचनवुत योसुखचाहैहैअतूलाहैअषूला
करुकोविदरुत ॥ ४ ॥ पूर्वीभेद ॥ एचइतवाआइलएस
इआं झूलोपरीं पइआं कुसुमकलीचौदिशभलीफूलीअलि
कुंजनगुंजइआं मंजुसमीरनीरपरसीवहुवैसेदिवसत्रि-
तइआ । विहरनचाहतिसवगोइआं ॥ १ ॥ मनिमयक-
रकेझूलनवाउपवनमनहरठारकरइआं । सुघरवारझुल
वे या कलवलआपहिआपचलइआं। कोविदमोदहिवलि
जइआ ॥ २ ॥ एझुलनवोझूलोकरकेभलो आपहिआप
चलो । अद्भुतगानविधानचइतकीनाचसोचसकलोचटक
तिकलीगुलावचमनगलिमनुअलिगाउसतलो ॥ १ ॥ लषि
लोलामाहेसुरसुरिपरिकहिअहोपानिमलो । कोविदआ
शिपदेगुरजनपुरसवतरनारिमचलो ॥ २ ॥ एचैतझुलुचौम
चिआझूला वहुविधफुलफुला । सरयूतीरनोपरसीर-
सीवहतसमीरअतूलाकीरआदिपक्षीगावतगितसुरघनिभ
निमूला ॥ १ ॥ अलीभलीविधितानलेतिमुददेतिमहोहि
यफूला । कोविदमोदविनोदपरमयहहरेसवहिहियशुला
॥ २ ॥ एललनलपुसुरभिगभीररसो । वनउपवनतरुल
ताकुसुमसवसुरसवरसुमहसों कजमंजुगुंजतअलिन लवि

धिपरिमलवरभरनसा ॥ १ ॥ कोविदकविकविनिरखिह रखिछविउपमादूँढफँसो । मोहजाललललिलालचमत्कृति सुमिरिसुमिरिसुवंशी ॥ २ ॥ वृन्दावनी ॥ सांईसरयुसुकुलनवा गूलोकरकेभूलनवा बागविभागविचित्रचित्रत-रु कल्पलतादिफुलनवा । अजव सुगंधगंधवहअंधेअ-लिकुलहरतशुलनवा ॥ १ ॥ मोदविनोदतोदहरयहवर-जाकरनाहितुलनवा । कोविदललीअलीसवभूलैंनिजक रकरहुहुलनवा ॥ २१ ॥ चैतमनोहरेरतिआविहरोकरो पियवतिआ । विकसतिकलीगुलावआदिअतिशयितअ लीगुंजतिआ । मारुतमलयसदामुददायकवहुतअद्भुते गतिआ ॥ १ ॥ मनिमयकनकभुलनवाकरकोभुलोगीत वहुतपतिआ । गानतानअलिआंभलिआंविधिकोविदम् दवहुभंतिआ ॥ १२ ॥ ॥ पुनः पूर्वी भेदः ॥ एभुलनवाभु लोहोकरके । सबअनुकूलमूलप्रदप्रीतमवयननयनफरके ॥ १ ॥ मनिमयकुसुमराजिराजितथलभलअलिगनथरके । कोविदमोदविनोदकीजियेगुरुजननहिहरके ॥ २१ ॥ पुन श्चैत्री ॥ करकेभूलनवाभूलोसवहीअनकूलो । वन-उपवनसुरफुलफूलो । सरयूकोकूलो ॥ १ ॥ धीरेसमीरेनी रेपरसीहरशूलोकोविदकेलिपियारीकीजेमुदमूलो ॥ २१ ॥ भूलनभूलोकरकेअजवएपियउ । सवदिशिअजवसुमन वनविकसेधीरेसमीरगजवकियउ ॥ १ ॥ कोविदमंजुगुं

जअलिपुंजनवशकियसुरनरमुनिहियउ ॥ २१ ॥ विचित्र
वेत्री ॥ फूलिउपवालीवाटीएआलिहाटीलागीमनहुकुसु
मसरिताटीगुंजतमधुकरकोकिलएआलिसाटी। धरमनुवी
लहिरितुपतिठाटी । मंदमंदवहुमारुतएआलिगाउघूटी
सुरकरदैदैचाटीकरकंभ्कुलनतहंभ्कू लियएआलिजाटी ।
मनितहकोत्रिदकनकसुमाटी ॥ ४१ ॥करकंभ्कुलनभलभ्कु
लोएलालहियतंषूलीमधुकोविहारमुदमूलो । बनउपवन
नवपल्लवफुलफललखिवल्लवधुविहरहिसरिवरकूलो ।म
हमहमहकतसवदिशएलालवहकतहिसथूलो । गुनिगनह
जिर अनगनएलालनाजिरजाहिरकरतकरके भ्कूलातूलो
जहं तहं देव हिय पहुंचत ए लाल सहं ए शुनि शुनि
भ्कूलतभ्कूलनललिश्रीलाल गानतानसहसांचनाचमहकर
तिभ्कूलावतिवाल ॥ १ ॥ उग्रकृयासामग्रिउग्रसव काग्र
वहीकोउकाल । जाग्रतकलोसकलकोत्रिदलखि । सुखिसु
रिपरिवेहाल ॥ २४ ॥ अतिधाहिनीभेद ॥ भ्कूलंहोहोमु
दमूलेफूलंसवफूलंमनिभ्कूलें लालललीभलीविधितंवलि
वलि अलिआलिहसिहूलें ॥ १ ॥ यामिनिसुखदसुखदसौ
दामिनिकादम्बिनिसरिकूलैं। धीरसमीरलताललितातरु
कोविदसवअनुकूलें ॥ २५ ॥ लालनललिअलिविलसत
शावन । मेघअमोघओघलघुलखिअत । वातनातवरु
धावन । सौदामिनिनिनामिनिमुखचूमत । लखिविहसत

दीउपावन ॥ १ ॥ रतनयतनझूलनझूलनभल । अलिग
नकरवरगावननाचतिकोउअवलाचपलासी सुरिललचति
चहुदावन ॥ २ ॥ करतिउपायपायँपतिपकरतिविविधय
तनलगिआवन । कहिसमुझायजायनागरिढिगहोगीगुर
हिलजावन ॥ ३ ॥ कोविदमोदविनोदमहायहभवआदि
कमनभावन । जिनधनिलषीचषीसुमिरनहूतिनधनिभए
मनभावन ॥ २६ ॥ देश ॥ झूलतललिलालमनिमयझू
ला । अलिआझुलावतिगावतिदेश । उमेशमेशाहियभू
ला ॥ १ ॥ घनिघनिअवघअवघघवघनिघनि । घनिघ
निलीलाथूला । कोविदमोदविनोदवित्रशरसरसितभनेमु
दमूला ॥ २७ ॥ झूलतललिलालअलिआझुलावे । अ
जवतानतनिशानसहितसव देशरागिनीगावे ॥ १ ॥ अ
जवचालकीझूलनगतिलषिसुरअसुरीभावे । कोविदकवि
छविछकितजगतवरअमरसततमतध्यावे ॥ २८ ॥
॥ धाहिनीभेद ॥ रसरसझूलोझूलनवा । पिआमोहिगर
मीसँतावैविहरोसरजूकूलनवा ॥ १ ॥ आवगुलावमगावो
पंपाकमलफूलनवा ॥ २ ॥ गोदविनोदसोंलिहूमिटेहीयको
शूलनवा ॥ ३ ॥ कोविदकविछविलोकीमैसुखिदेखिहूलन
वा ॥ २९ ॥ झूलतदीनेगलवाहीं । अरसपरसलखिमो
हेदोहेदुलिमुसुकाहीं ॥ १ ॥ लखिलखिसखिसुखपावेंध्या
वेंसुरिपरिपगिमनुछाहीं ॥ २ ॥ सुधिसँभारिसववारिनि

जेसत्रवारें जगलषिछाहीं ॥ ३ ॥ कोविदकविछविदेखिझु लाकीनहिकोउमनगृहजाहीं ॥ ३० ॥ ॥ पूर्वीवरवा ॥ झुलोझुलोहोप्रीतममममशावनआएगगनसघनघनघूमतघू मतदामिनिमुखसुखहेत । तरतरेविमलवलाकाविहराति तुमनहिकरतहोचेत ॥ १ ॥ प्रीतम मेघमंडलीमंडितनभ लषिकरतशिखंडिपुकार । चक्रवाककलहंसहंसहँसिकरत विचित्रविहार ॥ २ ॥ कलपलताललिताइलपटीतरुसुरत्रर सुमनशोहाति । हरितहरितहरिदूबखूबज्यहिपरमारमा शिहाति ॥ ३ ॥ धीरशमीरफुहारहीरमनिमंडितदोलामा लकोविदमुदअद्भुतदीजेरिजुहृदयसदयनृपलाल ॥ ३१ ॥ प्रीतमतुमझूलाझूलोझूलाकीआईवहार । संगउमंगभरी हैंसहचरीदोलारतनतयार । मेघमंडलीवाजबजावतिना चुशिखंडिउदार ॥ १ ॥ अद्भुतफुलफलकलितललिततरुव लितलतानिहार । कोविदकविछविनिरषिहरषिवहधी रसमीरपिआर ॥ ३२ ॥ धाहिनी भेद ॥ लाललीझुले झमकिझुलनवा । घनउपवननिंदतनंदनवन पूरिरहोअ होफुलनफलनवा ॥ १ ॥ सुरिनरपतिअतिदशनअधरध रि । छविकविभारतिजितिनतुलनवाकोविदतउमनभुस- नवसनसत्र करतिनछावरिउपरिहुलनवा ॥ ३३ ॥ लाल लीझुलें शोभासदनवा । वारिअनागिनिघनअलिगनध नुकंजखंजमृगमीनवनवा । कीरहीरविद्रुमदामिनिविधु

अंगअंगप्रतिसरतिमदनवा ॥ १ ॥ सुरिकिन्नरिनरिहंगि
सिरहीसखिलखिअद्भुतधरिअधररदनवा । कोविदकवि-
कविकुपिलखिआशिपर्दैगशत्रशकामकदनवा ॥ ३४ ॥
पिआलागिमोहिगरमोझूलनझूलें । चंदनआवगुलावमे
लिमुखछिरिकोवीजोविजनफूलें ॥ १ ॥ रसरसरासिरसि
लीअलीएं चेंहियकरकेपिआतुमरेहूलें ॥ २ ॥ सुरतरुडार
डारहूहिंडोराधीरसमीरजुसरजुकूले ॥ ३ ॥ कोविदकवि
छविनिरखिसबीजन । वारहिंधनतनधवरिभुले ॥ ३५ ॥
॥ धाहिनीभेद ॥ विद्यापतिप्रसिद्ध झूलनवाँहोहो । झुल
तललीसहलालझूलाझलकतअद्भुत कृतमनिमाल । लज्जि
तलोकिअलोकिकशशिउडुजाल ॥ १ ॥ अलीभलीविधि
करतीगानविशालमधुरमधुररागिनिगिनिसुलयसुताल ॥
२ ॥ घनमनभावनधावनशोवनकाल । पावनसरयुशुभा-
वनचालउताल ॥ ३ ॥ लीलाललीकोजवकरुघ्याल
कोविदधनिधनिभनितव । शिवबरवयाल ॥ ३६ ॥ धा-
हिनीभेद ॥ बरवा ॥ भलेन्नलिरेदवरातु झूलाझुलावो ।
मनिमयझूलनरेशमडोरी वरषाफूलफुलावो । तेरेककहें
मैझूलनआई नाहकनैनचलावो ॥ १ ॥ शिथिलिततनम
नचंचललखिअत मुखतधवमननआवो । झूलिचुकीमैभू
लिआईअलिइनकरमेआवलावो । तनढीलेमनच्याकुल-
कोमैं तवढिगचखसुखपावो ॥ ३ ॥ असनहिहवहैहैकविको

विद अलिरोकोशिरनाव्रो । हँसिकरगहिखातिरिभाउज क्रिय शिरधरिउरनिजलावो ॥ ३७ ॥ धाहिनीभेद ॥ फू लःफूलससरितीरेलाललोलैअलिभीरे धु० महिमंदिर वागशरीरे तरुलताकुसुमगंभीरे । वनिदूवखूवकृतनीरे स वरचितविविधरंगहीरे ॥ १ गुनिगानकरेंद्रूनधीरे अति मधुरअमृतजितक्षीरे । वुधविवुधविजितवरगीरें कोवि दकहिहरिजगतीरे ॥ ३८ ॥ धाहिनीभेद ॥ अलिवलिव लिफूलवतिलालली । मनिमयफूलवचनअगोचरमं जुलरंजितकीलअली ॥ १ ॥ वागसुभागरागरंजितवर फू लिभलीसुरवेलिकली । कोविदमोदविनोदमहालखिसखि वनिसुरधुनिआयहली ॥ ३९ ॥ धाहिनीभेद ॥ सावनअ जववहारआपिअऊफूलाफूलोहो धीरसमीरगभीरनीर- वरसरजूलैतिलहरिआ । हरितहरितपल्लवनूनघनघन कु सुमसमूहसहरिआ ॥ १ ॥ मोरसोरमंजुलगुंजतअलि अ लिगमहृदयहहरिआकोविदमोदविनोददीजिए हयाजिअ वरिकचहरिआ ॥ ४० ॥ फूलाफूलोखूलोप्रीतमअलिआं गलिआंठाढीहो समयसहायकनिरखिपरषिवरषासरिवा ढीहो । गुंजमंजुखगसगहियप्रेमा क्षेमागाढीहो ॥ १ ॥ वा धनदुखसाधनसुखअद्भुतनहिकोउआढीहो कोविदकेवल पियउत्साहगलीसितासाढीहो ॥ ४१ ॥ धाहिनीभेद ॥ शावनसरससोहावनपावनफूलाफूलोहो । प्रीतममनस

महरितहरितलघु दिव्यसकलफुलफूलोहो ॥ १ ॥ लालतुम
झूलाझूलोहो अलीभलीविधिसाजसजोसवहियतेखूलो
होकोविदकविकविनिरखिसुरीवरआशिषदेंमुदमूलोहो ॥
॥ ४२ ॥ राजकुमारविहारकरोवरशावनआयोहो । अ-
जवउदारसुधारसुखदजलदाखिलछायोहो ॥ १ ॥ राजि
समाजसाजिसाजेसवरितुगितगायोहो । सरिततीरसुरत
रुतरदोलाकोविदभायोहै ॥ ४३ ॥ ललनभलझूलाझूलो
हो । अद्भुतरितुअद्भुतरितुगुनगन सवअनुकूलोहो ॥१॥
गुनीपुनीतविनीतनीतयुतरीतहरतहियशूलोहो । कोवि
द करि तयारि नारि नसहयह मुद मूलो हो ॥ ४४ ॥
॥ धाहिनीभेद ॥ एझूलनभलझूलोएसइऔवागविचित्र
चित्रमनिवँगलोदोलोअतिअनुकूलो । मेघअमोघसुखद
धावतमृदुकुसुमसुरभिसवफूला ॥ १ ॥ गानतानसहसाँच
नाचवरवाद्यहृद्यमुदमूलो । कोविदमोदविनोदकीजियेकि
यपियतजिगालगूलो ॥ ४५ ॥ झूलतपियप्यारीसुखकारी
। शावनमनभावनसवहीजन परसीकुसुमवयारी । मेघ
मंडलोमंडितकियनभ सभजनजयतिपुकारी । गुनिगनगा
नकरतनरतनसह नरसुरसवहियहारी । कोविदमोदवि
नोदनिरषिवहजगतकरतवलिहारी ॥ ४६ ॥ अवधधनिध
निशावनधनिदोलासरजूकूलमूलमुदसुरतरुतरदोलावन-
मोला । अद्भुतमोदविनोदनिरषिसुर हरषिभएसभभोला

॥ १ ॥ यद्दविहारसंसारसारकरशुनानअसकाहोला। को विदसुधिसँभारिजगतीजनगनजयजयजयबोला ॥ ४७ ॥ झूलतझूलनलाललली अलिआँलिझुलाउ। गानमनोहरतानसहितहितमत्रसुखपाउ ॥ १ ॥ सुन्दरमन्दिरमणिमयनयवउ। दिशिफुललाउ। कोविदधीरसमीरबहेखगहूंजयगाउ ॥ ४८ ॥ देवलतातरुवागवनीसरजूसरितीरसुरकुसुमावलिफूलीहोवहेविविधसमीर। गगनमघनघनघेरहो वरसेमृदुनीर ॥ १ ॥ सुरवरविरचितहितगुरुगृहजहँजडासुरहीर। कोविदमणिमयझूलनहो झुलें सियरघुवीर ॥ ४९ ॥
॥ वरवापूर्वी ॥ लखोलखोहोललनघनशावनशोभा। लताकुंजमंजुलविहरनकोगुंजतअलिकलिलोभा। झूलनयोग्यकल्पतरुहरुदुखदेखिदेवदिलक्षोभा ॥ १ ॥ गगनसघनघनघूमतचूमतदामिनिमुखसुखशाली। विमलवलाकापाँतिभाँतिभलमुक्तामालामाली ॥ २ ॥ दादुरनीरदमोरशोरबरसुखददुखददिनराती। मितसंभोगवियोगलीगजगजाहिरकविगिरगाती ॥ ३ ॥ निरषिहरषिसखिपरषिबरषिमृदवचनअमीकरूकेली। दोलादोलनशुनिप्रियावोलनकोविदक्रियप्रियखेली ॥ ५० ॥ ॥ धाहिनीभेद ॥ झूलनविमलवहारयारवरकरहुविहारविचार। धीरसमीरतीरसरयूकोउपवनहोवनापरमउदार ॥ १ ॥ सबउपकरनहरनहियहाजिरहोपियजलदतयार। कोविदकविरुचिनिरखिस

खीजनबरसैं होसुरसुमनआसार ॥ ५१ ॥ शावनसरससो
हाबनपावनझूलाझूलोहो । कुंजनपुंजकलीभलीफूलीअ
बमतिभूलोहो ॥ १ ॥ ललनतुमझूलाझूलोहो । निरखोन्
त्यगानशुनोकोविदहियतैंखूलोहो ॥ ५२ ॥ बरखाविमल
बहारलालतुमदोलादोलोहो । अलीभलीविधिगाननाच
करेंतुमप्रियबोलोहो ॥ १ ॥ रितुअनुकूलफूलसबफूलशी
तअतोलोहो । कोविदकविछविनिरखिसुरीसब विकिवि
नमोलोहो ॥ ५३ ॥ बरवा ॥ सरसशोहाबनशाबनाबरसे
आसार । लाललली झुलैं झूलाहोबहें सुखदबयार ॥ १ ॥
आलीआलीगानकरें बरतानतयार । कोविदमुदमयबाज
वजें लखिसुखिसुरदार ॥ ५४ ॥ लाललली न लझूलाहोझु
लें लखिमुमुकाहिं । बागविभागविचित्रबनातरुबरघन
छाहिं ॥ १ ॥ सखीसुखीलखिलाषहिंहो वारहिमहिमा-
हि । कोविदविबुधबधूकहें कहुभयोअसनाहि ॥ ५५ ॥
मीतमझूलोरतनहिंडोर अद्भुतमासशावनवा । कल्पलता
सरुफूलफलउरु उद्गतपरिमलजोर । गगनसघनघनघूमल
झूमसकरिसमकरुशिखिशोर ॥ १ ॥ अलीभलीविधिल
लितकारकरु परिषहितोहिचहुओर । कोविदकरपकरि
नवहासिउठेमानिकिशोरिनिहोरि ॥ ५६ ॥ घाहिनीभेद ॥
झूलतएकैंझूलाहोहोअनुकूला । लाललीअरुनवतल
सनरिपुदमनसुमूलाहो । बचनअगोचरझलकतझूला

अभिमदमूलाहो । गाननानअतिनाचसंचगतिनितिओ
हूलाहोंहो ॥ १ ॥ बागविभागविचित्रचित्रसवरितु फुल-
फूलाहो । गुंजनमंजुपुंजअलिझिझिंतनभ्रमरनभूलाहोंहो
॥२॥ वंगलामंगलारुचमदमदमोचनविष्ण कालिसरिकूलाहो।
परषिनिरषिहरखेविधिहरिहरगतिमतभूलाहोंहो ॥ ३ ॥
धनिधनिभनिकुसुमावलिवरषेंतरखंथूलाहो । सुरिवरकी
विदुकविकुविदूरहिमवहियशूलोहो ॥ ५७ ॥ लालनफूल
नफूलेंहोंहोहियखूलें । ललीअलीसंगभलीथलीमोसुवफु
लफूलेंहो । वनउपवनसुरतरुअवीरुध । शुभसरिकूलं
हो । खगभृगगुंजपुंजअतिलागतसुरमतिभूलेंहोंहो ॥३॥
गगनमगनघनघूमतफूमतमनुकरिहुलहो । कोविदगान
गाननरतनवरसवमुदमूलेंहोंहो ॥ ५८ ॥ लालनफूलभू
लाहो । शीतनपावनदावनलागिसवअनुकूलाहोंहो ॥ १ ॥
ललीअलीसंगभलीगलीसोंगावेंसमूलाहो । कोविदकवि
कुविनिरखिसुरीवरसेंसुरफूलाहोंहो ॥ ५९ ॥ धाहिनीमे
दपूर्वीपूर्ववत् ॥ एआवनसुखआएपीया । लताललितसु
रतरुकुसुमितअरुगगनमघनहहहीया । सहचरिअनुचरि
सुखचरिहाजिर तुमकसअसहियकीया ॥ १ ॥ शुनिप्री
तमवानीअमियानीलोलादोलादीया कोविदकविकुविनि
रखिसुखीहूँ । वरिसुमनसुरतीया ॥ ६० ॥ एफूलन
फूलंलालनललिअलिआ । सरयूनीरमीरमनिमंदिरधीर

समीरखिलींकलिआं । मंदमंदगरजतघनघूमतमोरशोर हियहलिआं ॥ १ ॥ गाननृत्यमुददानमनोहरनइनइनइ रतिअलिचलिआं । कोविदमोदविनोदविलोकतसुरिउप सुरिनरिकरुवलिआं ॥ ६१ ॥ धाहिनीभेद ॥ सुफूलाफू लतराजकुमार । कमलाविमलासहितसियामधिझोकत- विविधवहार ॥ १ ॥ जलजलफुलथलफुलफूलेशोकरस हितवयार । कोविदरागहजारनगाववततानतरंगतयार ॥ ६२ ॥ पुनर्मेघ ॥ वरसतसतमंह सुखसजुविजुरीसहि तहितरजुघनु । गरजुकरजुनेह ॥ १ ॥ कलिगिलिमुख शुकपिकशारिसुरधारिगितिकारिअलिगनएह । फुलन फुलतपियप्यारिसुखसतकारिकोविदमुदगनगेह ॥२॥ फु लनफुलतपियप्यारिअजुंफुल अजहुलरिजुहुलवारीरिजु फुलरिजुफुलवारि ॥ १ ॥ घनरिंजुविजुरिजुभवनपवनरि तुगितरितुरिजुगितकारि । रसिसंपतिदंपतिरितुगतिपर- काविदसवरिजुवारि ॥ २ ॥ धाहिनीभेदपुनर्मेघ ॥ फू लतराजकिशोरिकिशोरे । परविरंचिसंचितपरसंचितय तनशतनपररतनहिंडोरे ॥ १ ॥ सषिमोहंजोहेउपमाल- खिवारमनोहरशावरगोरे । कोथिरसौदामिनिकादम्विनि कोपरसेमशूरयकठोरे ॥ २ ॥ कोतमालतरुमधुरअमो- लाकनकवेलिमिलिपवनझकोरे । कोपरकनकरेखिवेतन मृदुशालशिलाजलअजवसुपोरे ॥ ३ ॥ कोविदवालविनो

दमोदमयश्रीविधिहारिहरहूंचितचोर । धनिजनजिननि-
हारिइनधनिसोउजिनजन इननिहारिचषकोर ॥ ६५ ॥
॥ पुनर्देशः ॥ मनिमयझूलनाझूलें चतुरअलीहूलें । ला
ललीमुसुकातिभांतिभलिलखिअद्भुतफूलें ॥ १ ॥ मधु
रकल्पतरुललितलतालगीवरसरयूकोकूलें । कोविदअव
धअनवधिरमालखिसुखरसुधिभूलें ॥ ६६ ॥ ललितयझू
लहींलाले झुलवतिअलिआलें । तानतानतनिगानम-
नोहर करगुनिपरख्यालें ॥ १ ॥ दामिनिदमकघमकघं
नहूको चमकचतुरिचालें । कोबिदमोदकुसुममालेंअ-
लिमंजुगुंजजालें ॥ ६७ ॥ पुनर्मेघ धाहिनी भेद ॥ गुर
सुघरघरेझूलतझूले । लाललीअलिगनलैहंसिहंसिरितु
गुनसवअनुकूलें ॥ १ ॥ मंजुकुंजसुरलताललितअलिपुं-
जगुंजसरिकूले । कोविदगानतानअद्भुतनुत सवदिशिम-
निफुलफूलें ॥ ६८ ॥ अलिललिलालनझूलनझूलें । वाज
तिवीननवीनगीतिगति । अरसपरसहहसिहूले ॥ १ ॥ वहत
गंधवहअंधअलिनसहशुभसुगंधफुलफूले । कोविदमोद
विनोदनिरषियहसुरवरसुधिनिजभूलें ॥ ६९ ॥ अहोलखि
एसखिछटाछटाकी । कहूंअरुनअर्जुनकहुंमेचकत्रिविध
शृंगकीअटाकी ॥ १ ॥ तामेदामिनिदमकझमकमनुकरतव
करातिपटाकी । ललिविहरेंअलिरंपीरनहि शरशरकाम
कटाकी ॥२॥ शुनिप्रियवयननयनहंसिउठिललि दोलाचढी

चटाकी । झूलनलगी उमंगिपियसंगलीलानटीवटाकी ॥ ३ ॥ गानतानन रतनवरतनकरं तामेकोकिरटाकी । शुनि-कोविदमुदलहेलालकहेतुअलगिखगीछटाकी ॥ ७० ॥ ॥ पुनर्देशोधाहिनीभेद घनाक्षरीय ॥ झुलनझुलतवलि ललिताली । चतुरमहचारिझूलवतिआलं । गगनसघनघ नघुमतझुमतमनु । करिवरकारिवरचुमतविजुरिमुखवि-हिकिपिहिकिहिकभरतडरतनहिरुरितहरितहालं । पव नमवनगहिगवनकरतसवभवनअवनिनिजनवनिधरतसुख हरततपनिदुखनवनपरतहियभरतमुदहिख्याले ॥ १ ॥ उमडिउमडिसवसरितलहरिलेतिघुमडिघुमडिकहुँ लरतिम नहुपुनिसरतिसरलगतिभरतिसकहिपरकरति अवरचालें । कोविदकविछविअजवअजवहविनिरषिपरषिसविहर षिहरषिसुरिपुरियहभ्रमभूमसहितमहितवर वरषिवरषि निजसुममालं ॥ ७१ ॥ झूलाझूलें खूलेलाललली । साच नाचसहसाजवाजवर मानतानकरेसुघरअली ॥ १ ॥ रितुअनुकूलफूलफूलेसव । मंजुगुंजअलिसुखदभली । विधि कोविदघनसघनघूमिरहेधीरसमीरमहलटहली ॥ ७२ ॥ झूलतअनुरागभरेललिलाल चित्रलिखितसमलषतदोउ-लषि वारतिधनतनवाल । धनिधनिभनिसुरवधु आशि खदेवरसतिकुसुमसुमाल ॥ १ ॥ समयसमीरनीरधरसेवा करतगुनीजलजाल । परिनतसुकृतराजएरानीगुरुकोविद

मोदवित्रशाल ॥ ७३ ॥ पुनर्मेघः ॥ लखिसखिअद्भुतफूलन बहार। राजकुँअरिमुसुकातिफुलतिविचरैं कतराजकु- मार ॥ १ ॥ अवरेविविधिविरचितफूलाबह अवरेविविधिउपचार। कोविदकविअवरेछविसहचरिअवरंगीतशृंगार ॥ ७४ ॥ कजरी ॥ शुभफुलनफूलोपिआआएशावना। अवलिफरिकरें तवगैवना ॥ १ ॥ स्लिहारतहरितचितहरितवना। अतिललितललितघनवहेपवना ॥ २ ॥ जलथलफुलफुलअलिकरें धावना। खगमृगसुखिकरें मनुतवभावना ॥ ३ ॥ कविकोविदकहें करोकेलिपावना। सुरिकिन्तरिचहें पियतवदावना ॥ ७५ ॥ लपोललितचलितइतउतवदरा। पियफुलनविनाकरें अलिकदरा ॥ १ ॥ अतिअरुनमगावोवरसारिचदरा। लखिसुरिपरिकरें धनिभनिअदरा ॥ २ ॥ मनिफुलफुलोआजुनहिभदरा। सुरतरुवाटिकाागिगुलहाटिसदरा ॥ ३ ॥ कोउलतातरुविमलसुफलदरा। कविकोविदचतुरअलिगावेंददरा ॥ ७६ ॥ ललिलालफुलेंफुलालखुकससजरी। मनिमयनयवसनजसनसजरी ॥ १ ॥ अलिवलिहिफुलावेंगावेंभावेंकजरी। लखिसुखिशिखिसांचेनाचेघनकजरी ॥ २ ॥ अतिहर्षनिरखिसुमडारिअजरी। भनेभनिघनिइनकिनकिनअजरी ॥ ३ ॥ तजिसवकारप्यारयारद्रुतभजरी। कविकोविदसमुदमुदयहभजरी॥ ७७ ॥ धाहिनीमेद पूर्वीरीती ॥ ला

लनझूलनझूलें । ललीभलीत्रिथिखिलीकलीसीसीहति सहअतिहूलें ॥ १ ॥ वोगावैभागविभाजकमनिमयदूवखू बफुलफूलें । लताललिततरुउरुराजितफलकलितदलितदु खमूलें ॥ २ ॥ रतनयतनगुरुगेहमेहमनुनेहकरतअनुकूलें । कलपशाखिशाखारेशमरसिपरीअरीसरिकूलें ॥ ३ ॥ शात्रनगानतानस्वरसुंदरनाचसांचमनतूलें । कोउमन- कीरागिनिभागिनिसुखकोविदहरुहियशूले ॥ ७८ ॥ पुन र्मेघः ॥ हिंडोराझूलतरघुवरसोय । निजरसवशसवकीय । अक्षतक्षतभितफरसशिलासित । माझझूलाझलकोय । सखीसहितप्रतिबिम्बितसमदिसि । अद्भुतसुखलखिली य ॥ ० ॥ सफललतातरुभूमरभृतिप्रति । फलभलत्रिहरु निलीय । हंसहिंसखीगनमनसिजवशलषि । कहहिंधन्य रितुतीय ॥ २ ॥ अरुणअम्बरिअरुणितमुखलखिकहु । कि नइनअत्रिरमलीय । फगुआगाउलेउफगुआप्रिया । अगु आहोउअमीय ॥ ३ ॥ पीयचित्रगतिनिरखिसीयहंसिगहि मुपानिलियहीय । सावधानहोयविहरिअपियकहिकोवि दूकषिकरजीयं ॥ ७९ ॥ लालललिअलिविलसंतशावनमे घअमोघओघलघुलषिअत वातनातरुधावन । सौदा मिनिभामिनिमुंखचूमत लखिदोउविहसतपावन ॥ १ ॥ रतनयतनझूलनझूलतभल । अलिवलिकरवरगावन । ना चतिकोउअवलाचपलासीसुरिललचतिचहुदावन ॥ २ ॥

करतिउपायपायपतिपकरति विविधयतनलगिआवन।क
हिसमुभायजायनागरिढिग होगीगुरुहिलजावन ॥ ७९ ॥
कोविदमोदविनोदमहायह शावआदिकमनभावन। जि
नधनिलषीचषोसुमिरनहू तिनधनिभएमनुत्रावन ॥ ८० ॥
॥ काफी ॥ फूलतराजकुमारआली मनिमयफूलनमनि
मयफूलन भरीबागआगार। मनिमयवसनजसनमनिम
यसव जितजगसँगवरदार ॥ १ ॥ त्रिविधसमीरतीरसर
यूकोमेघदेतआसार। गानतानतनर्त्तनवर्त्तनसुख कोविद
मुदआधार ॥ ८१ ॥ शावनझुलनवहारवालंभ। अवरेम
घअमोघदेखिए। अवरंत्रिविधवयार। अवरेवागउमा
गअवरमनअवरेगानतयार ॥ १ ॥ अवरेफूलनअवरेफूल
न अवरेदारउदार। कोविदअवरेअवरदेपियतकोजिय
सप्रद्विहार ॥ ८२ ॥ दीपक ॥ हेममहितमनिझुलनाम
गाइदेपियहो। अहोफूलिएचलिएअलिएयहमोदकरं ॥
१ ॥ शावनसरससोहावनावनाहैपियहो। अहोमेहवाने
हवासों घुमतझूमतमुखरे ॥ २ ॥ मोरसोरवरकरतदादुर
सहहो। अहोकोकिलाकलगावतभावतवर ोमलगरे ३॥
धीरसमीरसुरभिभरवहतहेहो। अहोसुमनासुमनामनहरे
वनघरसुघरे ॥ ४ ॥ कोविदकविछविनिरषिपरषिसुखहो
अहोलालनेकिय। ओहीहियखुलिमोदभरे ॥ ८३ ॥
अजवग्तुशावनझूलनझूलोहो। हरितहारितलप्रियतम

वशीभव । जलथलभलभलफुलनफुलीहो धीरसमीरनीर धरधावतपीरहरी निजमनलनषुलीहो ॥ १ ॥ तुमफुलीहम हूल अलिगावें पिय हमफुलें तुमरससरसहूहूलीहो कोविद कविकविविवशसुरीसबलाषआशिषदहै अनुकूलीहो ८४ फूलाहोफूलें अलिललिलाल । मनिमयफूलनमनिम यफूलनमनिमयबागविशाल ॥ १ ॥ गुनिगनगानकरें न- र्त्तनसहतानतरंगसताल कोविदकविकविनिरषहरषि जग धनिधनिभनिवेहाल ॥ ८५ ॥ सावनितीजिमोहावनिम जनी । फूलें भलें ललिलालफूला । सुरतरूतरवररतन- हिंडोरासुंदरसरयूकूला । धीरसमीरनीरधरसेवतचौदिशि कुलफुलफूला १ अलीभलीविविधिगीतकरें परें सकललोभमु दमूला कोविदमोदविनोदमहावह जाकोनहिंकहुतूला ८६ ॥ दीपक ॥ हांहांहोमेरेवालमांतुंफूलाफूलो । शावनवि मलवहारचारदिशिदेखोहरेहरे सुरभिसमीरसनीरतीरसर यूसरिभरेभरे । घनमंडलीघमंडनभमंडलसरेसरे । कामि निशुभसुखदेतिदामिनीदमकतिअरेअरे । बोलतविहगविवि चित्रचित्रसलभा ॥ १ ॥ हो० सखीसुखीसवसाजवाजव रहाजिरकरेकरे । हरषतिपरषतिप्रेमपर्ष्यराद्रिदृगखरेख रे । करुनाहरवरकरहुभरहुमुदअद्भुतपरेपरे । रसिकशिरो मनिधन्यगन्यगुनसुरहियधरेधरे । कोविदफुलिअलिवाग विहारकरेजनुकलभा ॥ ८७ ॥ वलिवलिअलिआलिरे ।

कुलवतिअतिचालिरे । रतिपतिजितद्वंपतिअतिराजित मनिकूनासुखशालिरे । नीरदनीरसमीरसुखदअतिवि-कसितकलिपालिरे । कोविदकविछविवाहिसमयकीरवि रुकिहू कहालिरे ॥ ८८ ॥ धनिधनिधनिमनिफूलारे । फूलतमुदमूलारे ।राजकुमारचारदिशिअलिवलिहूलारे।गा नविधानतानमुदविधिअनुकूलारे । कोविदकुसुमसमूहव रिसुरिसुरसुधिसूलारे॥८९॥लावनी ॥ प्रियसुखदशावनी तीजवीजमुदआई।अलिआँवलिआँकरिगीतमीतहिसुनाई ॥ ध्रुवपदम् ॥ लखिललितलतानवितानतानतरुलाई । घ नसघनगगनमोघूमिघूमिचूमिविजुआई । वरसेसरसेंरस रंगअंगसुखदाई । गरजेंवरबोलअमोलबोजहिंवजाई । लखिमुखीहूँलितकेतगतिगाई ॥ गुंजेपुंजेअलिमनोआनंद वढाई ॥ १ ॥ प्रियसुखदअवकीजेफूलनवहारप्यारवरसा ई । सुरिकिन्नरिनारिअशेषदेषिसुखपाई । वनवनउपव नवनसुमनसुमनसशोहाई । नभशोभिअदभ्रसुअभ्रवलाका छाई । यहपरपरमालषिरमाउमाललचाई । कविकोवि दमोदविनोदपियादरसाई ॥ २ ॥ रेषता ॥ अजवमनि कूनेनाकूलोनिरषिरितुपीयमतिभूलो । हरषिसखिहोय-सुखिथूलो । लषोजलथलसुफलफूलो ॥ १ ॥ समीरेधीरे निरपरसी । वहेंलहेंकुसुमसमसरसी । गगनघनदामि-नीदरशी । होवोमतिमानमतिअरसी ॥ २ ॥ कहूंगुनिसा

मत्रनेगावें । कहूंघनरागमनभावे । रसिकजनमकुमुदपा वें । विरहिजनरहसिप्रियध्यावें ॥ ३ ॥ निरषितवचित्र समकेली । त्ररमसुरिमुमनसुरवेलोचहर्तिनितिहांनतव चेली । कोविदभनिधनिअवधखेली ॥ ११ ॥ पुनर्मेघः ॥ ॥ चाहिर्नोमेद ॥ झूलतलालनललिवलिझूलासरयूतीरस मोरघोरसुर तरुवोरुघफुलफूल ॥ १ ॥ दिव्यवाद्यअनव दहद्यघनसघनमधुरधुनिखूला । कोविदगानतानरतन वरशुनिमुनिवरमनझूला ॥ ९२ ॥ झूलनअलिललिलाल- हिंडोर । भृंगउमंगगुंगमंजुलमल मोरशोरचहुँ ओर ॥१॥ साजवाजविनदाजआजवजु गानतानअतिजोर । कोवि- दमोदविनोदमहालहिवशभएसुरदृशलोर ॥ ९३ ॥ दादरा ॥ झुलाइसाजनाझुलनारे । राजकुमारकारभारवहु । यहरि तुसवहिझुलाइ । कोविदगानताननिजमुखकरिहियकरक मलफुलाइ ॥ ९४ ॥ पिआरेझुलिएझुलनारे । शावनसह जशोहावनशोभा । मेघअमोघकिआरे ॥ १ ॥ कोविद मृदअद्भुतदेउप्रीतमजसफाआमोदिआरे ॥ ९५ ॥ खेमटा ॥ शावनझुलनवहार पियारेकीजेहो । ललीभलीविचि साजसजोसंगलीजेहो । कुशलीअलीतयारप्यारसुखवीजे हो ॥ १ ॥ वनउपवनसरिसमयसहजरसभीजेहो । विह रिविहरिरसरसिक कोविदमुददीजेहो ॥ ९६ ॥ अलीलली लैलालझुलाभलझूनेहो । वनउपवनसुरलतालालितफल

फूलिहो । सरयूसरिसरदारलहरिअनुकूलिहो ॥ १ ॥ मोर
शोरघनघोरखोरमृदमूलिहो । कोविदकविछविनिरखिम
रीसुधिभूलिहो ॥ ९७ ॥ कहरा कलंगरा ॥ लालफूलतअ
लिलखिएवलि । खगमगबोलअतोलमधुरस्वर । गगनस
घनवनघूमतशहर्थलि ॥ १ ॥ गानविधानविवुधवधुहिय
हर । लखीसमाजनिरखिकियसववलि । कोविदकविछवि
महाअद्भुते । रघनअयनसवहीहृदयहलि ॥ ९८ ॥ लालल
लिसहफूलतएअलि । कराकराहियकरतिसवहिक । न
टावधर्साफिरतिजगतिछलि ॥ १ ॥ कोविदकविछविवि
वशास्वशाजन । धननमनसवकियजनकीवलि ॥ ९९ ॥
॥ धाहिनीभेद ॥ खेमटा ॥ फूलेंललिलाले फूलनआले
प्रीतिरीतिदुनिगतिअतुलछवि । सखिमनिधर्ये निजताले ॥ १ ॥ परविरविसाधतसाधनलहि मोहभरेसुरमाले ।
सुविसंभारिकोविदमनिधर्ये नृप धनिधनिजगजाले १००॥
सरयुवरकूलें फूलनफूलें । सुरतरुलताललितकुसुमावलि
जलथलपरफुलफूलें ॥१॥रितुमारुतअनुकूलमुलमृदु डोल
नमनिअतितूलें । कोविदलाललली अलिसंग । उमंग
सहितहितहूलें ॥ १०१ ॥ धाहिनीभेद खेमटा ॥ काहेय
हसमयउदासहसहयां । अलिवलिकरिरविनवेवनिकनिस
व । करियफूलनरासएसइयां ॥ १ ॥ हरितहरितसवह
रितनिरखो । धनिधनिशावनमासएसइयां ॥ २ ॥ जल

थलफुलअलिपुंजगुंजकरें। मंजुलकरं घनहासएसइयां॥ ३॥ कोविदलालहंसेरसेबोलें। यहदवितवछविआसएसइयां॥ १०२॥ चलिवलिदेखनझूलना गोइयां। मनिमयबागमनिमयमन्दिर। मनिमयफूलनफूलना गोइयां॥ १॥ लाललललीझूलंअलिझुलवेंमलें कविकहिनहियह तूलना। गोइयां॥ २॥ घनिघनिसाजवाजधनिनर्तनधनिगितघनिरसहूलनागोइयां॥ ३॥ कोविदघनिराजाधनिरानी। घनिघनिपुरिसरिकूलनागोइयां॥ १०३॥ कहंराधाहिनीभेद॥ एमेरेबलंभाझूलोमलझूला। शावनसरसशोहावनवरसे सरसेसवअनुकूला। आलसवशकसअसरगाफिल नाहककरोगालगूला॥ १॥ असकहिनांहवांहधरिऐंचीहंसिदुठेहरिशूला कोविदमोदविनोदकरनलगे लषिसवहीहियभूला॥ १०४॥ एमेरेवलभाकरोझुलालीलाअलीभलीविधिसाजसजीसवकलीनिरषिबरषील। मोरशोरचहुँओरघोरघनघूमततुमकसढीला॥ १॥ गुनीअनेकसुतानगानकरिलैनैसुरवरजोला। कोविदआलसवशमतिहोपिआकरिहंरसिकजनगीला॥ १०५॥ धाहिनीभेदकहंरा॥ झूलनाझूलिएमेरेप्यारा। सुरमारुतघनसरिसुखदायक। चरअरुअचरसहारा॥ १॥ वनउपवनकुसुमावलिललिताखगमृगगुंजउदारा। कोविदमोदविनोदचाहिएसपादकरोहियहारा॥ १०६॥ झूलहींललि

लालउदार फुरवति अति कुगलसुद्वारे। गगनमगनदामि-
निकामिनिले घूमतअनिघनकारे। धीरसमीरतीरसरि-
बागें। विकसितसुमनसमारे॥१॥ गानतानवर्त्तुलवा-
नाविध। गुनिगनकरतपिआरे। कोविदमोद्वविनोदम-
हावहवशभएसुरद्वारे॥१०७॥ धाहिनीभेद॥ कहरा॥
फूलेभवलललिलालफूअ। फुवतिआलिहंसतिहियखू-
ला। वापिविचित्रचित्रमंदिरवर। सुरतहलतालविवतअ-
तिफूअ॥१॥ कोविदुरुचिछविकलितविलोकतसुरनबेलि
पतिसहहियभूला॥१०८॥ अथपुनःपुर्वीभेद॥ ललिफु-
लफूललालबोले। जलथलफुलफूलेसरिकूलेधीरसमीरसु
होले। अलिपुंजगुंजेमंजुलभल तुमबयोंहयनहिखोले॥
१॥ आलिआलितैयारीकएवरदानतरंगअतोले। कोवि
दविश्वकर्मनिर्मितथलफूलनरतनअमोले॥१०९॥ मनि
मयफूलउतललिफूलें। लालआलिफुलवेंभुलवें रविच
नरचनअनुकूलें। दर्शावंघनसघनवलाकासरिकूलेंसुर
फूलें॥१॥ साजबाजवरगानतननतरनाचसांवसुदमूलें
कोविदकविछविदविअतुलखिदहगेहसखिभूलें॥११०॥
॥ पुनःपूर्वीभेद॥ काकालककोकलिकूक। सहितशिखी
सुखिकरतसुघनधुनिधुनिकोकिलाभएमूक॥१॥ मनिम
यफूलउलफूदोप्रीतमअलिफुलवेंपहिरूक। कोविदकविछ
विनिलोको अवनहिएपतिसूक॥१११॥ फूलनफूलल

लिलाले । घनघनसारा कृताताम्मातवरवातमहायकअले ॥ अलिपुंजेगुंजेगावें तनिनावमावशुभचाले कोविदमो दलहेचहे आशिषशिवाचिरंचिवग्याल ॥ ११२ ॥ खमाठ्ठ चक्रूलाठुमरी ॥ फूलाफूलतप गंलागीरे । लाललीत नतनिकन जानहिं अलिगनहोहिंविभागी ॥ १ ॥ कोविद काहकहियथहिंकलिहि विधिहहरिहरसुचिरयामी ॥ ११३ ॥ यहफूलनप्यारीलागीरे लाललीकोकिलिअनेकनतामह यहअधिकारी ॥ १ ॥ कोविदवनिधनिभनिसुमवरसेनूर वरतनमनवारी ॥ ११४ ॥ फूलीहिनसुखेलांकलोर । परि मलभारमंदमारुतवहेसुंदरघुमघनसेली ॥ १ ॥ मनिमय फूलनफूलतललिले लालअलीभईभेली कोविदकौतुकक रहिंअनेकनसौतुककरिसुरिहेली ॥ ११५ ॥ लालरसरस फूलीललिसुकुमारी । अलंकारवरभारसेमानति मारीघू रकीसारी ॥ १ ॥ धीरसमीरतीरसरयूकोकलपशाखिकी डारी । फूलातीगरमीअरसावतिकोविदयहरसभारी ॥ ११६ ॥ फूलाफूलोहालालधिरेधीरे । कल वेलिवाटीठा टीसुमचौमुखमंदिरसरितीरे ॥ १ ॥ गीतसगीतविचित्र मित्रविधि हरश्रोताजनमनपीरे । कोविदआशीर्वादकर तसुरहरखिनिरखिएअजवभीरे ॥ ११७ ॥ मंजु ॥ सुरत रुडारनडारेआलनफूलनफुलने । अलिवलिकरिलालसं- गफूलवनलागिचौदिशिलषिफुलने । ग नतानमयशानस

हितहित करहिं हरषि हलने ॥ १ ॥ समयसहायपायहोनिल
गोकिलिसरयुकुलने । कोविदमोदविलोदनिरखिसुरसुरि
कियसुधिभुलने ॥ ११८ ॥ यहफूलनकेलिनवेलीसंगलीकरं
लाल । कोविदलीलाकरहिपरमसुरभिसंभारभारद्राविम
हुमारुतमाल ॥ १ ॥ सामग्रीअतिउग्रव्यललितलतान्हवि
तानकुंजवरमंजुसरसआलें ग्रतविनहरहिंदुखसवसुखपा
ले लालनभलचाले ॥ ११९ ॥ फूलाफूलोललनरितुशाव-
नहो । धीरसमीरगगनघनघूमतगरेजअरजमनभावनहो
सरिकूलें सरलताललितअति फूलेमन्दिरपावनहो ॥ १ ॥
अलीभलीविविधिलीसहितहित नितचाहें गुरुगावनहो ।
कोविदमोदविनोदहैतसुरिकिन्नरिचाहतिदावनहो ॥१२०॥
फूलाफूलें ललकिललिलालेंहो अलीफूलावहिअद्भुतता-
हिमनोरथपालेंहो ॥ १ ॥ घटानिरखिशिखिरटापरिषि
सुखिकियपियछटाविशालेंहो ॥ १ ॥ घटानिरषिशिखि
रटापरिषिसुखिकियपियछटाविशालेंहो कोविदमोदलहै
पिकहैसुरसुरिवनिताघनितालेंहो ॥ १२१ ॥ एललिय
लैलालफूलनफूलोहो । शावनसुखभावनगुनगावन गर
जिगरजिघनाथधुलोहो । लहुपुरकुसुमअसमशरमोह-
कद्रोहकहियचौदिशिफुलोहो ॥ १ ॥ अलिपुंजेगुंजेसुर
ललितालतामंजुकुंजेफुलोहो । सरयूकेरघेरमंदिरवरको
विदमुददिनमतिभुलोहो ॥ १२२ ॥ फुलनफुलोलालल

लिथिलथसाथ । मानिमयथंभ कूलनमनिमयफूलनग्रंथिथितिर-च्योनिजहाथ । धीरसमीरसघनघनचेतनवांछितवरसतषाथ ॥ १ ॥ अलिवरिश्रिनयसुनेगुनसस्मितउठितिहरेश्रीनाथ । कोविदअर्जुनलपिदोलासखिवनिसुरिनावे माथ ॥ १२३ ॥ रसरसलननझुलावोहोझूला । राजकुमारीसुकुमारीअतितुमहरवरवरहूला ॥ १ ॥ मंदमंदमारुतमंदारीलताकुंजसरिकूला । कोविदयहविनोदकोजेउहथिकसेहियपरफूला ॥ १२४ ॥ धनिधनिधनियहदोलनलीला । रघुनंदनअरुजनकनंदिनीविहरहिहसिसमशीला ॥ १ ॥ अवधेशीअवधेशअवधधनिभनिईश्वरद्वशमीला । कोविदयनिजिनइनपाईसुखचयाईनितविनहीला ॥१२५॥ श्रीमद्दाशरथेर्विहारसुरथिप्राप्तस्यसर्वा परिप्रोत्साहाप्रविसद्यशःक्रपिंजितस्सेत्सारदारप्रितःश्रीसाकेतनिकेतचेतनजनश्रीमुख्यसौख्याश्रयैरन्यानाचरितैःप्रमोदभरितैर्द्दोलःसवैवजीयते ॥ १ ॥ दोलापदावलीसम्पत्सपादशतिकासती सुखसम्पादिकाशश्वत्स्यात्सतांश्रयतांध्रुवम् ॥ २ ॥ इति श्रीमन्महा महीप कुमार मारपद्मम परमाजयकार श्रीमद्दोलाविहार तत्परतर श्रीमद्राम भद्र गुरुमित्त्र सत्त्वासत्त्वि पाठुरपनामोमापति शर्म्म निर्म्मितदोला पदावली सपादशतिका शतांसुखसम्पत्सम्पादिका भूयात ॥